आज का विचार

महान कार्य को करने का यही तरीका है कि आप उसे पसंद करें जो आप करना चाहते हैं

पंजाब रिफलैक्शन

ਪੰਜਾਬ ਰਿਫਲੈਕਸ਼ਨ

ਪੰਜਾਬ ਰਿਫਲੈਕਸ਼ਨ ਨਿਊਜ਼ਪੇਪਰ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ 'ਚੋਂ ਪੱਤਰਕਾਰਾਂ ਦੀ ਜਰੂਰਤ ਹੈ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ-
88375-75230
94174-91941

वर्ष-1, अंक-50, रजिस्ट्रेशन नं. : PUNBIL01282, जालंधर, संपादक-नीतू कपूर, दोभाषायी (हिन्दी पंजाबी), पाक्षिक, कीमत-5 रूपए, 21 मार्च 2021, मोबाईल 94174-91941, 88375-75230, Email : punjabreflection@gmail.com

मोदी की बांग्लादेश यात्रा के दौरान

आकर्षण रहेगी खादी की मुजीब जैकेट्स

रिफलैक्शन ब्यूरो

खादी मुजीब जैकेट्स प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगले सप्ताह ढाका की दो दिवसीय यात्रा के दौरान आकर्षण का केंद्र होगा। भारतीय उच्चायोग में अधिकारी बांग्लादेश के फादर ऑफ नेशन शेख मुजीबुर रहमान के सम्मान में उनके सिगनेचर परिधान को पहनेंगे। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने ढाका में भारतीय उच्चायोग को 100 ऐसे कस्टम-डिजाइन किए गए %मुजीब जैकेट्स% की आपूर्ति की है। केवीआईसी के अध्यक्ष, विनाई कुमार सक्सेना ने कहा, 26-27 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्र की राजनयिक यात्रा के दौरान परिधान गणमान्य लोगों की प्रमुख पोशाक होगी। पुरानी पीढ़ी के लिए, यह उनके महान नेता की विचारधारा का प्रतीक है, जबकि यह बांग्लादेश के युवाओं के लिए एक फैशन स्टेटमेंट बन गया है। मोदी हमेशा देशों के साथ राजनयिक संबंधों को मजबूत करने के लिए खादी और इसकी विरासत और सांस्कृतिक मूल्य के पक्षधर रहे हैं। 2016 में, ब्रिक्स नेताओं, जिसमें मोदी भी शामिल हैं, ने गोवा में खादी जैकेट में शिखर सम्मेलन में भाग लिया था। सक्सेना ने कहा, प्रधानमंत्री ने अपनी राजनयिक यात्राओं के दौरान हमेशा खादी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। यह महात्मा गांधी की विरासत को आगे ले जाने के लिए है, जो हमेशा खादी उत्पादों को विशेष रूप से खादी के रूमाल विदेशी दौरे के दौरान वहां के पदाधिकारी को सम्मान स्वरूप देते थे। विशेष रूप से डिजाइन किया गया मुजीब जैकेट उच्च गुणवत्ता वाले दस्तकारी खादी कपड़े से बना है। ब्लैक मुजीब जैकेट को छह बटन, निचले आधे हिस्से पर दो जेब और बाईं ओर एक फ्रंट पॉकेट के साथ डिजाइन किया गया है। कपड़े के पर्यावरण के अनुकूल प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, इन जैकेटों के लिए जिप-कवर भी खादी इंडिया लोगो के साथ काले सूती कपड़े से बने हैं। मुजीब जैकेट बांग्लादेश में ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है और यह बहुत गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी की बांग्लादेश यात्रा के दौरान खादी के कपड़े से बने इन जैकेटों को सुशोभित किया जाएगा, जो खादी के सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर हैं। उन्होंने कहा, खादी से बने मुजीब जैकेट इस समारोह के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मूल्यों में महत्वपूर्ण वृद्धि करेंगे। यह खादी को वैश्विक और राजनयिक मंच पर भी बड़े पैमाने पर बढ़ावा देगा।

कृषि कानून को लेकर

110 दिन से प्रदर्शन जारी

आंदोलनकारी किसान दिल्ली बॉर्डर पर ही मनाएंगे होली

रिफलैक्शन ब्यूरो

कृषि कानून के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर 110 दिन से अधिक समय से किसानों का प्रदर्शन जारी है, देशभर में आगामी दिनों में होली का त्यौहार मनाया जाएगा, ऐसे में किसानों ने भी ये तय कर लिया है कि वे होली दिल्ली की दहलीज पर ही मनाएंगे। दरअसल संयुक्त किसान मोर्चा ने ये आह्वान किया है कि 28 मार्च को होली दहन के दिन किसान विरोधी कानूनों को जलाया जाएगा। गाजीपुर बॉर्डर पर किसानो ने होली दहन की तैयारी पूरी कर ली है, आंदोलन स्थल पर तकरीबन आधा दर्जन वसंत रखे गए हैं, आंदोलन के शुरुआती दिनों में ही राकेश टिकैत साफ कर चुके थे कि किसान होली भी इस बार गाजीपुर बॉर्डर पर ही मनाएंगे। भारतीय किसान यूनियन के उत्तरप्रदेश अध्यक्ष राजवीर सिंह जादौन ने बताया, इस बार सभी किसान यहीं होली मनाएंगे। आंदोलन अभी जारी है, ऐसे में किसान गांव नहीं जाएंगे। बॉर्डर पर ही इस बार सादगी और शांतिपूर्ण तरह से होली मनाई जाएगी। सरकार के खिलाफ नाराजगी जताते हुए, क्या होली के दिन किसी तरह कोई हुड़दंग किया जाएगा? इस सवाल के जवाब में जादौन ने कहा, ऐसा बिल्कुल नहीं होगा, न कोई उग्र होगा न हुड़दंग होगा।। पूरे शांतिपूर्ण तरह से इसे किया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र मलिक ने बताया, होली एक बड़ा त्यौहार है, किसान घर न जाकर गाजीपुर बॉर्डर पर ही होली मनाएंगे। सत्य को अग्नि भी पराजित नहीं कर सकती, उसी उद्देश्य के साथ इस बार होली मनेगी।

दिल्ली से लखनऊ जा रही शतादी एसप्रेस

ट्रेन के पार्सल कोच में लगी आग

नई दिल्ली-ब्यूरो

गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर शताब्दी एक्सप्रेस की जेनरेटर

कार में आग लग गई। स्टेशन पर ट्रेन की लगेज बोगी में आग लगने से हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार आग लगने की सूचना मिलते ही रेल अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए और अधिकारियों ने तत्काल लखनऊ शताब्दी ट्रेन की जेनरेटर कार को ट्रेन से अलग किया है। अधिकारियों ने बताया कि रेलगाड़ी में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। रेलगाड़ी सुबह करीब 6ः41 बजे गाजियाबाद स्टेशन पहुंची और आग बुझाने वाले यंत्रों से धुएं को काबू करने में सफलता नहीं मिलने पर दमकल की गाड़ियों को बुलाया गया। प्रभावित कोच को रेलगाड़ी से अलग किया गया और इसके बाद रेलगाड़ी को सुबह 8ः20 बजे गंतव्य के लिए रवाना किया गया। हालांकि, आग की इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। शताब्दी एक्स्प्रेस ट्रेन की लगेज बोगी में आग क्यों लगी। इस घटना को लेकर लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है।

भाजपा दुनिया में सबसे बड़ी लुटेरी पार्टी : ममता

कोलकाता-ब्यूरो

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भाजपा की आलोचना करते हुए उसे दुनिया में 'सबसे बड़ी लुटेरी% पार्टी बताया और कहा कि उसे राज्य में कभी भी सत्ता में नहीं आने देना चाहिए। पूर्वी मिदनापुर जिले के हल्दिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने भगवा पार्टी पर दंगों की साजिश रचने, लोगों की हत्या करने तथा दलित लड़कियों को प्रताड़ित करने का भी आरोप लगाया।

भारत और फ्रांस तीसरे संयुक्त उपग्रह मिशन पर कर रहे है काम : इसरो

रिफलैक्शन ब्यूरो

भारत और फ्रांस तीसरे संयुक्त उपग्रह मिशन पर काम कर रहे हैं और दोनों देशों के बीच

द्विपक्षीय अंतरिक्ष सहयोग मानव अंतरिक्ष उड़ान समेत कई क्षेत्रों में प्रवेश कर रहा है। इसरो अध्यक्ष के. सिवन ने शनिवार को कहा कि सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र में हाल में सुधार करके जो अवसर पैदा किए हैं, कई फ्रांसीसी कंपनियां उन अवसरों का इस्तेमाल करना चाहती हैं। उन्होंने राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार हेतु राष्ट्रीय परिषद (एनसीएसटीसी) और 'विज्ञान प्रसार' द्वारा आयोजित डिजिटल कार्यक्रम में कहा, ''फ्रांस अंतरिक्ष में भारत का सबसे बड़ा साझेदार है।'' 'भू-स्थानिक डेटा और मानचित्रण में भारत की अंतरिक्ष संबंधी क्षमताओं को बढ़ाने' के विषय पर डीएसटी (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग) स्वर्ण जयंती संवाद के दौरान सिवन ने यह बात कही। इसरो अधिकारियों के अनुसार, इसरो और फ्रांस की अंतरिक्ष एजेंसी सीएनईएस ने दो संयुक्त मिशन किए है।

इस सरकार ने बढ़ाई बेरोजगारी, महंगाई और गरीबी : राहुल

रिफलैक्शन ब्यूरो

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अक्सर मोदी सरकार पर हमलावर हैं। इस बीच कांग्रेस नेता ने शनिवार को केंद्र सरकार पर महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने क्या बढ़ाया? बेरोजगारी , महंगाई और गरीबी। राहुल ने ट्वीट कर कहा कि इस सरकार ने क्या बढ़ाया? बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी और सिर्फ मित्रों की कमाई। उन्होंने ट्वीट के साथ एक खबर को भी शेयर किया है जिसमें कहा गया है कि कोरोना से पहले 9.9 करोड़ लोग मध्यम आय वर्ग का हिस्सा थे जिनकी संख्या घटकर 6.6 करोड़ रह गई है। इस खबर के मुताबिक 2011 से 2019 के बीच 5.7 करोड़ लोग निम्न आय वर्ग से निकलकर मध्यम आय वर्ग का हिस्सा बने थे। रोजाना डेढ़ सौ रुपये या उससे कम कमाने वालों की संख्या 7.5 करोड़ जा पहुंची है। बता दें कि इससे पहले राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि देश अब भी अनियोजित लॉकडाउन का दंश झेल रहा है।

111 दिनों के बाद कोरोना ने तोड़ा एक बार फिर रिकॉर्ड

रिफलैक्शन ब्यूरो

भारत में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 40,953 नए मामले दर्ज किए गए जो 111 दिनों में एक ही दिन में आए सर्वाधिक मामले हैं। इसके साथ ही देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 1,15,55,284 पर पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना वायरस के मामलों में लगातार 10वें दिन वृद्धि दर्ज की गई है। देश में अब भी 2,88,394 लोग संक्रमित हैं जो संक्रमण के कुल मामलों का 2.49 प्रतिशत है, जबकि स्वस्थ होने वाले मरीजों की दर गिरकर 96.12 प्रतिशत रह गई है। सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार एक दिन में आए 40,953 नए मामले पिछले 111 दिनों में सर्वाधिक हैं, जबकि 188 और लोगों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या 1,59,558 हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक 1,11,07,332 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं जबकि मृतक दर 1.38 प्रतिशत है। भारत में कोविड-19 के मामले सात अगस्त को 20 लाख का आंकड़ा पार कर गए थे। इसके बाद संक्रमण के मामले 23 अगस्त को 30 लाख, पांच सितंबर को 40 लाख और 16 सितंबर को 50 लाख से पार चले गए थे। वैश्विक महामारी के मामले 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवंबर को 90 लाख और 19 दिसंबर को एक करोड़ का आंकड़ा पार कर गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के मुताबिक 19 मार्च तक 23,24,31,517 नमूनों की जांच की जा चुकी है। शुक्रवार को 10,60,971 नमूनों की जांच की गई।

आरएसएस में 12 साल बाद बड़ा परिवर्तन : होसबोले

रिफलैक्शन ब्यूरो

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में 12 साल बाद बड़ा परिवर्तन हुआ है। आरएसएस के नए सरकार्यवाह (महासचिव) पद पर दत्तात्रेय होसबोले का सर्वसम्मति से चयन हुआ है। वह पिछले 12 वर्ष से लगातार इस पद पर काम कर रहे सुरेश भैयाजी जोशी का स्थान लेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बेंगलुरु के जनसेवा विद्या केंद्र में चल रही अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में शनिवार को यह निर्णय लिया गया। बेंगलुरु में 19 मार्च से अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक शुरू हुई थी, दूसरे दिन शनिवार को सरकार्यवाह पद पर चयन हुआ। दरअसल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ही संघ निर्णय लेने वाली सर्वोच्च ईकाई है। हर वर्ष अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की मीटिंग होती है। संघ

में हर तीन वर्ष पर सरकार्यवाह यानी महासचिव पद पर चयन होता है। वर्ष 2009 से लगातार सुरेश भैयाजी जोशी सरकार्यवाह की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उन्हें 2018 की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की मीटिंग में एक और कार्यकाल मिला था।

राजनाथ ने की अमेरिकी समकक्ष ऑस्टिन से वार्ता

रिफलैक्शन ब्यूरो

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके अमेरिकी समकक्ष लॉयड ऑस्टिन ने शनिवार को विस्तृत वार्ता की, जिसमें द्विपक्षीय रणनीतिक सबंधों को और विस्तार देने, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलती स्थिति और आतंकवाद की चुनौती जैसे विषयों पर मुख्य रूप से चर्चा की गई। ऑस्टिन 3 देशों की यात्रा के कार्यक्रम के तहत जापान और दक्षिण कोरिया की यात्रा के बाद भारत आए हैं। इस यात्रा को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की क्षेत्र में अपने निकट सहयोगियों एवं साझेदारों के साथ संबंधों को लेकर मजबूत प्रतिबद्धता दर्शाने की कोशिश के तहत देखा जा रहा है। ऑस्टिन शनिवार सुबह राष्ट्रीय समर स्मारक गए और भारत के

शहीदों को श्रद्धांजलि दी। वार्ता से पहले उन्हें विज्ञान भवन परिसर में सलामी गारद दिया गया। ऑस्टिन की यात्रा संबंधी जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि 3 अरब डॉलर से अधिक (अनुमानित) की लागत से अमेरिका से करीब 30 'मल्टी-मिशन' सशस्त्र प्रीडेटर ड्रोन खरीदने की भारत की योजना पर भी ऑस्टिन और सिंह के बीच चर्चा होने की उम्मीद है। क्वाड समूह की बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने का संकल्प लेने के कुछ दिनों बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री की भारत की यात्रा हो रही है। 4 देशों के इस समूह में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।

ਪੰਜਾਬ ਰਿਫਲੈਕਸ਼ਨ
Email : punjabreflection@gmail.com
21 मार्च 2021

पूर्ण राज्यत्व के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य पर एकदिवसीय राज्यस्तरीय परिसंवाद

हमीरपुर-ब्यूरो

भाषा एवं संस्कृति विभाग और नेता जी सुभाष चंद्र बोस स्मारक राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर के इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पूर्ण राज्यत्व के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य पर स्वर्णिम हिमाचल के अंतर्गत शनिवार को जिला भाषा अधिकारी कार्यालय सलासी में एक दिवसीय राज्यस्तरीय परिसंवाद आयोजित किया गया। इस एकदिवसीय परिसंवाद में कुल तीन सत्र आयोजित किए गए जिनमें लगभग पंद्रह शोध-पत्र पढ़े गए। उदघाटन सत्र के मुख्यातिथि प्रसिद्ध साहित्यकार रूप लाल, विशिष्ट अतिथि जिला लोक संपर्क अधिकारी हेमंत शर्मा, सत्राध्यक्ष डा. अंजु बत्ता सहगल प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर तथा परिसंवाद के संरक्षक जिला भाषा अधिकारी निकू राम ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया कार्यक्रम के मुख्यातिथि रूप लाल ने इतिहास एवं भूगोल की महत्ता को प्रकट किया। विशिष्ट

अतिथि हेमंत शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि इतिहास का भी अपना एक इतिहास होता है। उन्होंने कहा कि हमीरपुर में महल मोरिया सहित पुरातन महत्व की कई धरोहरें बिखरी पड़ी हैं। यहां की समृद्ध संस्कृति को दर्शाते धाजा व भजन मंडलियों के उद्भव एवं इनके प्राचीन स्वरूप पर शोधकर्ताओं को कार्य करना चाहिए। प्रथम तकनीकी सत्र डा. ओम दत्त सरोच की अध्यक्षता में सम्पादित हुआ जिसमें डा. संजय, अजीत दीवान, रत्न चंद रत्नाकर और अन्य गणमान्य विद्वानों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। द्वितीय सत्र डा. संजय कुमार सहायकाचार्य भूगोल राजकीय महाविद्यालय बड़सर की अध्यक्षता में सम्पादित हुआ जिसमें नेम राज, सपना, कार्तिक, डा. राज कुमार, मनोहर लाल, सुश्री पूजा देवी आदि ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। इस राज्य स्तरीय परिसंवाद में जिला हमीरपुर के विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापकों सहित हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के प्राध्यापक, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र धर्मशाला के प्राध्यापक, राजकीय महाविद्यालय नौरा के प्राध्यापक, पंजाब विश्विद्यालय के शोधार्थी, जिला हमीरपुर के ज्येष्ठ लेखकों एवं साहित्यकारों सहित हमीरपुर महाविद्यालय के इतिहास विभाग के छात्र उपस्थित रहे। जिला भाषा अधिकारी निकू राम ने कहा कि परिसंवाद का मुख्य उद्देश्य जिला हमीरपुर के इतिहास एवं संस्कृति का शोधपरक अध्ययन एवं लेखन तथा हमीरपुर के अनछुए ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं को समाज के समक्ष लाना है। परिसंवाद का मुख्य विषय - हमीरपुर का इतिहास एवं संस्कृति था जिसके अंतर्गत हमीरपुर का इतिहास, हमीरपुर के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल - राजमहल, दुर्ग, जलस्रोत आदि , हमीरपुर के स्वतन्त्रता सेनानी, हमीरपुर की भाषायी विविधता, हमीरपुर की संस्कृति - वेशभूषा , आभूषण, खान-पान, लोककलाएँ, लोकगीत, लोकनाट्य, लोकनृत्य, वाद्य-यंत्र आदि, हमीरपुर के रीतिरिवाज एवं लोकमान्यताएं, हमीरपुर के मंदिर, हमीरपुर के मेले आदि उपविषयों पर शोध पत्र पढ़े गए। परिसंवाद के संयोजक डा. राकेश शर्मा ने सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया तथा आयोजन सचिव डा. राज कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

ਮਨੁੱਖਤਾ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਲਈ ਜੰਗਲਾਂ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ : ਸਾਧੂ ਸਿੰਘ ਧਰਮਸੋਤ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ-ਬਿਊਰੋ

ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਜੰਗਲਾਤ ਮੰਤਰੀ ਸ. ਸਾਧੂ ਸਿੰਘ ਧਰਮਸੋਤ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਨੂੰ ਮੁੜ ਹਰਿਆ-ਭਰਿਆ ਬਣਾਉਣ ਅਤੇ ਮਨੁੱਖੀ ਜੀਵਨ ਲਈ ਨਰੋਆ ਵਾਤਾਵਰਣ ਯਕੀਨੀ ਬਨਾਉਣ ਲਈ ਜੰਗਲਾਂ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣਾ ਸਮੇਂ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਅੰਤਰਰਾਸਟਰੀ ਜੰਗਲਾਤ ਦਿਵਸ ਮੌਕੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਰੁੱਖ ਲਗਾਉਣ ਲਈ ਪੂਰੇ ਜੋਸ਼ ਨਾਲ ਅੱਗੇ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਸ. ਧਰਮਸੋਤ ਨੇ ਅੰਤਰਰਾਸਟਰੀ ਜੰਗਲਾਤ ਦਿਵਸ ਦੀ ਪੂਰਵ ਸੰਧਿਆ 'ਤੇ ਆਪਣੇ ਸੰਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਤਸੱਲੀ ਪ੍ਰਗਟਾਉਂਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸੂਬੇ 'ਚ ਪਿਛਲੇ ਚਾਰ ਸਾਲਾਂ ਦੌਰਾਨ ਘਰ-ਘਰ ਹਰਿਆਲੀ ਸਕੀਮ ਅਧੀਨ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਧ ਇਕ ਕਰੋੜ ਬੂਟੇ ਲਗਾ ਕੇ ਪੰਜਾਬ ਮੋਹਰੀ ਸੂਬਾ ਬਣਿਆ ਹੈ। ਉਨਾਂ ਅੱਗੇ ਕਿਹਾ, "ਅਸੀਂ ਇਸ ਸਾਲ ਵੀ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ 400 ਸਾਲਾ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪੁਰਬ ਦੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸਮਾਗਮ ਨੂੰ ਇਸੇ ਉਤਸ਼ਾਹ ਨਾਲ ਮਨਾਵਾਂਗੇ ਅਤੇ ਸਾਫ-ਸੁਥਰੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇ ਮਿਸ਼ਨ ਨੂੰ ਅੱਗੇ ਵਧਾਵਾਂਗੇ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਿਆਂ ਜੰਗਲਾਤ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਉਹ ਜਨਮ ਦਿਨ ਅਤੇ ਧਾਰਮਿਕ ਤਿਉਹਾਰਾਂ ਵਰਗੇ ਮੌਕਿਆਂ 'ਤੇ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਰੁੱਖ ਲਗਾਉਣ ਲਈ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕਰਨ। ਉਨਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਸੂਬਾ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ ਦੇ 550 ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪੁਰਬ ਨੂੰ ਸਮਰਪਿਤ ਬੂਟੇ ਲਗਾਉਣ ਦੀ ਮੁਹਿੰਮ ਵੀ ਸਫਲਤਾ ਪੂਰਬਕ ਮੁਕੰਮਲ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਸ. ਧਰਮਸੋਤ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹਰੇ-ਭਰੇ ਜੰਗਲ ਅਤੇ ਸਾਫ-ਸੁਥਰਾ ਵਾਤਾਵਰਣ ਸਾਨੂੰ ਜਾਨਲੇਵਾ ਵਾਇਰਸਾਂ ਤੋਂ ਬਚਾਉਣ ਵਿਚ ਮਹੱਤਵਪੂਰਣ ਭੂਮਿਕਾ ਅਦਾ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਕ ਪ੍ਰਫੁੱਲਤ ਕੁਦਰਤੀ ਵਾਤਾਵਰਣ ਰੋਜਗਾਰ ਅਤੇ ਰੋਜ਼ੀ-ਰੋਟੀ ਦੇ ਵਧੇਰੇ ਮੌਕੇ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਾਉਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਖੁਰਾਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਵਿੱਚ ਸਹਾਈ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸਨਰ ਸ੍ਰੀ ਮਹਿੰਦਰ ਪਾਲ ਅਤੇ ਐਸ ਐਸ ਪੀ ਸ੍ਰੀ ਸੁਰੇਂਦਰ ਲਾਂਬਾ ਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਉਤੇ ਅਮਲ ਕਰਦਿਆਂ ਅੱਜ ਸਰਦੂਲਗੜ੍ਹ ਵਿਖੇ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਦੀਆਂ ਟੀਮਾਂ ਵੱਲੋਂ ਪੁਲਿਸ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ 50 ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਦੇ ਕੋਰੋਨਾ ਜਾਂਚ ਸਬੰਧੀ ਸੈਂਪਲ ਲਏ ਗਏ। ਆਪਣੇ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਪਰਿਵਾਰਾਂ ਸਮੇਤ ਹੋਰਨਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਸਿਹਤ ਸੁਰੱਖਿਆ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਪਹਿਲ ਦੇ ਆਧਾਰ ਉੱਤੇ ਟੈਸਟਿੰਗ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।

ਐਸ.ਐਸ.ਪੀ ਸ੍ਰੀ ਸੁਰੇਂਦਰ ਲਾਂਬਾ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਬੁਢਲਾਡਾ ਵਿੱਚ ਸਹਿਰ ਨਿਵਾਸੀਆਂ ਨੂੰ ਮੁਫਤ ਮਾਸਕ ਵੰਡੇ ਗਏ। ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਨੂੰ ਕੋਰੋਨਾ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਲਈ ਸਿਹਤ ਸਲਾਹਾਂ ਦੀ ਇੰਨ ਬਿੰਨ ਪਾਲਣਾ ਦੀ ਹਦਾਇਤ ਕੀਤੀ ਗਈ।

ਬੁੱਢਾ ਦਰਿਆ ਟਾਸਕ ਫੋਰਸ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਹਰ 15 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਹੋਵੇਗੀ- ਸੁਰੇਸ਼ ਕੁਮਾਰ

ਲੁਧਿਆਣਾ-ਬਿਊਰੋ

ਅੱਜ ਬੱਚਤ ਭਵਨ ਵਿਖੇ 650 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੀ ਲਾਗਤ ਵਾਲੇ ਬੁੱਢਾ ਦਰਿਆ ਦੇ ਨਵੀਨੀਕਰਨ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਦੀ ਪ੍ਰਗਤੀ ਦਾ ਜਾਇਜ਼ਾ ਲੈਣ ਲਈ ਵੀਡੀਓ ਕਾਨਫਰੰਸਿੰਗ ਰਾਹੀਂ ਮੀਟਿੰਗ ਨਾਮਧਾਰੀ ਸੰਪਰਦਾ ਦੇ ਮੁਖੀ ਅਤੇ ਟਾਸਕ ਫੋਰਸ ਦੇ ਮੁਖੀ ਸਤਿਗੁਰੂ ਉਦੈ ਸਿੰਘ, ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਦੇ ਮੁੱਖ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਸਕੱਤਰ ਸੁਰੇਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਹੋਰ ਸੀਨੀਅਰ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ ਹੇਠ ਹੋਈ। ਇਸ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿੱਚ ਮੇਅਰ ਬਲਕਾਰ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ, ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਲੁਧਿਆਣਾ ਸ਼੍ਰੀ ਵਰਿੰਦਰ ਕੁਮਾਰ ਸ਼ਰਮਾ, ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨਗਰ ਨਿਗਮ ਸ਼੍ਰੀ ਪਰਦੀਪ ਕੁਮਾਰ ਸੱਭਰਵਾਲ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਕਈ ਹੋਰ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ। ਮੀਟਿੰਗ ਦੌਰਾਨ ਸ਼੍ਰੀ ਸੁਰੇਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਸ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਨੂੰ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰਨ ਲਈ ਟਾਸਕ ਫੋਰਸ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਸਰਕਾਰੀ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੀ ਸਮੀਖਿਆ ਮੀਟਿੰਗ ਹਰ 15 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਵੀਡੀਓ ਕਾਨਫਰੰਸਿੰਗ ਰਾਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਗਲੀ ਮੀਟਿੰਗ 5 ਅਪ੍ਰੈਲ 2021 ਨੂੰ ਹੋਵੇਗੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤ ਕੀਤੀ ਕਿ ਉਹ ਸਹਿਰ ਵਿਚਲੀਆਂ ਡੇਅਰੀਆਂ ਨੂੰ ਪਿੰਡ ਗੋਰਸੀਆਂ ਕਾਦਰ ਬਖ਼ਸ਼ ਵਿਖੇ ਤਬਦੀਲ ਕਰਨ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਨੂੰ ਤੇਜ਼ ਕਰਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰਾਂ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਸਕੱਤਰ ਏ.ਕੇ. ਸਿਨਹਾ ਮੰਗਲਵਾਰ ਨੂੰ ਨਿੱਜੀ ਤੌਰ 'ਤੇ ਲੁਧਿਆਣਾ ਦਾ ਦੌਰਾ ਕਰਨਗੇ ਅਤੇ ਸ਼ਹਿਰ ਤੋਂ ਡੇਅਰੀਆਂ ਤਬਦੀਲ ਹੋਣ ਨਾਲ ਜੁੜੇ ਮੁੱਦੇ ਦਾ ਹੱਲ ਕਰਨਗੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੁਹਰਾਇਆ ਕਿ ਸਾਰੀਆਂ ਧਿਰਾਂ ਇਸ ਮੁੱਦੇ ਦੇ ਹੱਲ ਲਈ ਸਹਿਮਤ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਪਿੰਡ ਗੋਰਸੀਆਂ ਕਾਦਰ ਬਖਸ਼ ਦੀ ਪੰਚਾਇਤ ਨੂੰ ਗਡਵਾਸੂ ਵਿਖੇ ਡੇਅਰੀ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਦਾ ਮਾਡਲ ਦਿਖਾਇਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਜੋ ਕਿ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਮੂਹ ਵਿਭਾਗਾਂ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤ ਕੀਤੀ ਕਿ ਉਹ ਸਮੁੱਚੇ ਕਾਰਜਾਂ ਨੂੰ ਨਿਰਧਾਰਤ ਸਮੇਂ ਅਨੁਸਾਰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ। ਬੁੱਢੇ ਨਾਲੇ ਦੇ ਨਾਲ ਲੱਗਦੇ ਨਜਾਇਜ਼ ਕਬਜ਼ਿਆਂ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਮੁੱਦੇ ਦੀ ਵੀ ਸਮੀਖਿਆ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨਗਰ ਨਿਗਮ ਲੁਧਿਆਣਾ ਸ਼੍ਰੀ ਪਰਦੀਪ ਕੁਮਾਰ ਸੱਭਰਵਾਲ ਨੇ ਟਾਸਕ ਫੋਰਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਬੁੱਢੇ ਨਾਲੇ ਦੇ 965 ਕਬਜ਼ਿਆਂ ਵਿਚੋਂ 201 ਹਟਾ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਕਬਜ਼ੇ ਵੀ ਜਲਦੀ ਹਟਾ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣਗੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਲਗਭਗ 3 ਕਿਲੋਮੀਟਰ ਦੇ ਖੇਤਰ ਤੋਂ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਕਬਜ਼ੇ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਹਟਾਏ ਜਾ ਚੁੱਕੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਸ਼ਹਿਰ ਦੇ ਜਮਾਲਪੁਰ ਖੇਤਰ ਵਿਖੇ 225 ਐਮ ਐਲ ਡੀ ਸੀਵਰੇਜ ਟਰੀਟਮੈਂਟ ਪਲਾਂਟ (ਐਸਟੀਪੀ) ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਦਾ ਕੰਮ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਚੁੱਕਾ ਹੈ, ਨਾਲ ਹੀ ਬੁੱਢਾ ਨਾਲਾ ਦੇ 14 ਕਿਲੋਮੀਟਰ ਦੇ ਦੋਹਾਂ ਪਾਸਿਆਂ ਤੋਂ ਚੇਨ ਲਿੰਕ ਵਾੜ ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਵੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਅੱਜ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿਚ 650 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੇ ਬੁੱਢੇ ਦਰਿਆ ਦੇ ਨਵੀਨੀਕਰਣ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਦੇ ਸਾਰੇ ਪਹਿਲੂਆਂ ਦੀ ਪ੍ਰਗਤੀ ਦਾ ਵੀ ਜਾਇਜ਼ਾ ਲਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਹਰ ਕੰਮ ਲਈ ਸਮਾਂ-ਰੇਖਾ ਤੈਅ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਸ਼੍ਰੀ ਸੁਰੇਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਨੇ ਲੁਧਿਆਣਾ ਵਾਸੀਆਂ ਨੂੰ ਭਰੋਸਾ ਦਿਵਾਇਆ ਕਿ ਜਲਦੀ ਹੀ ਬੁੱਢਾ ਦਰਿਆ ਦਾ ਪਾਣੀ ਸਾਫ ਹੋਣ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਸੁੰਦਰੀਕਰਨ ਦਾ ਵੀ ਖਾਸ ਖਿਆਲ ਰੱਖਿਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਕੈਪਟਨ ਅਮਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਵਾਲੀ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਬੁੱਢਾ ਦਰਿਆ ਨੂੰ ਸਾਫ ਸੁਥਰਾ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਵਚਨਬੱਧ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਹ ਵੀ ਭਰੋਸਾ ਦਿਵਾਇਆ ਕਿ ਇਸ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਨੂੰ ਪਾਰਦਰਸ਼ੀ ਢੰਗ ਨਾਲ ਚਲਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਇਸ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਲਈ ਇਸਤੇਮਾਲ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਜਨਤਕ ਫੰਡਾਂ ਦਾ ਇਕ ਪੈਸਾ ਵੀ ਕਿਸੇ ਕੀਮਤ 'ਤੇ ਦੁਰਵਰਤੋਂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

पंजाब रिफलैक्शन
ਪੰਜਾਬ ਰਿਫਲੈਕਸ਼ਨ
21 मार्च 2021
3

विश्व भर में बसे भारतवंशियों का तीर्थ भारत

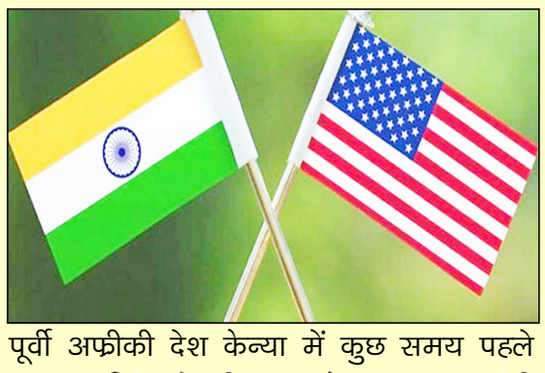

पूर्वी अफ्रीकी देश केन्या में कुछ समय पहले अवतार सिंह सेहमी नाम के एक भारतवंशी सज्जन का निधन हो गया। वे करीब 90 साल के थे। उनकी एक हसरत पूरी नहीं हुई, इस कारण केन्या में बसे भारतीय मूल के काफी लोग उदास हैं। सेहमी चाहकर भी कभी अपने पुरखों के वतन भारत नहीं जा सके। उनके माता-पिता 1890 के आसपास पंजाब से मुंबई होते हुए केन्या गए थे। ब्रिटिश सरकार पंजाब से

संपादक-
नीतू कपूर

जबरनहजारों लोगों को केन्या में रेल नेटवर्क बिछाने के लिए लेकर गई थी। उनमें सेहमी के माता-पिता भी थे। दरअसल इस त्रासदी से लाखों भारतवंशी हर साल गुजरते रहते हैं। वे कभी अपने पुरखों के देश या अपने पुरखों की जन्मभूमि के दर्शन कर नहीं पाते हैं। सेहमी समाजसेवी और भारतीय मूल के लोगों के बीच में काफी सक्रिय और लोकप्रिय थे। पर वे अधूरी हसरत को लेकर संसार से विदा हो गए। जो आर्थिक रूप से सम्पन्न भारतवंशी होते हैं वे तो कभी न कभी भारत आ ही जाते हैं। यहां आकर वे कुछ बड़े महानगरों के अलावा अपने गांव, शहर, हरिद्वार, ऋषिकेश,बद्रीनाथ, केदारनाथ, बनारस, अमृतसर वगैरह जाना चाहते हैं और चले भी जाते हैं। इस तरह उनकी अपने भारत में जाने की इच्छा पूरी हो जाती है। दुर्भाग्यवश यह सुख सबको तो नसीब नहीं होता। देखिए कि भारतवंशी सात समंदर पार बसकर भी भारतीय ही कहलाते हैं। उनके साथ ही रहते हैं उनके भारतीय संस्कार, मूल्य, मर्यादाएं और नैतिकताएं। मोटे अनुमान के मुताबिक, इस समय सारी दुनिया में ढाई करोड़ से अधिक भारतवंशी दुनिया के चप्पे -चप्पे में हैं। यह एक बड़ी संख्या है जो पचासों छोटे देशों से अधिक है ढ्ढ ये कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी बने हैं या अभी भी है। ये दर्जनों देशों की संसद में भी हैं। मतलब ये जिधर गए और बसे, वहां ये रचनात्मक रूप से अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह कर रहे हैं। यह उन देशों के सबसे खासमखास पदों पर पहुंच गए। पर यह तस्वीर का एक पहलू ही है। ये सब जगह धनी नहीं है। हालांकि मीडिया तो सिर्फ सफल कहानियों को ही पेश करता है। तो जो धनी नहीं है उनके लिए जीवन में कम से कम एकबार भारत जाना भी संभव नहीं हो पाता है। ये जीवनभर ईश्वर से यही प्रार्थना करते रहते हैं कि इन्हें कम से एकबार भारत देखने का सुख मिल जाए। नोबेल पुरस्कार विजेता लेखक वी.एस.नायपाल 1960 के दशक में पहली बार भारत आए थे। वे लंदन से मुंबई पहुंचे। संयोग से वह दिवाली की रात थी। वे सारे वातावरण को देखकर इतने अभिभूत हुए कि वे उस रात का बार-बार उल्लेख किया करते थे। उसके बाद तो वे बार-बार भारत आते रहे। उन्होंने भारत की कई स्तरों पर निंदा भी की, पर वे भारत के प्रति अगाध प्रेम का भाव भी रखते थे। अगर आप खेलप्रेमी हैं तो आपने देखा होगा कि लंदन से लेकर डरबन और मेलबर्न से लेकर कुआलालम्पुर के मर्डेका स्टेडियम तक भारतवंशी भारतीय टीमों को सपोर्ट कर रहे होते हैं। वे उस देश की टीम को सामान्यतः सपोर्ट नहीं करते जिधर वे या उनके परिवार लंबे समय से बसे हुए हैं। हां, जब उस देश का मैच भारत से हटकर किसी अन्य से होता है तो वे अपने निश्चय ही अपने वर्तमान देश के साथ होते हैं।

चुनावी घोषणा पत्रों का पिटारा

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए राजनीतिक दलों ने चुनावी घोषणा पत्र जारी करने शुरू कर दिए हैं। घोषणा पत्र हर राजनीतिक दल सत्ता में आने पर अपने कार्यक्रमों और नीतियों का प्रारूप पेश करता है। लोक लुभावन वादे किए जाते हैं ताकि मतदाता आकर्षित होकर उन्हें वोट डाल सकें। दक्षिण भारत की राजनीति में मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए मुफ्त रेवड़ियां बांटने का सिलसिला काफी पुराना है। तमिलनाडु की सियासत में दिवंगत द्रमुक प्रमुख एम. करुणानिधि के 2006 के घोषणा पत्र में मुफ्त रंगीन टीवी और अन्य चीजों का वादा किया था, उसके बाद तो राजनीतिक दलों के बीच ऐसे वादों जैसे मुफ्त लैपटाप, दुधारू गाय, मिक्सर ग्राइंडर और सोने के मंगलसूत्र की होड़ लग गई। अन्नाद्रमुक की दिवंगत नेत्री अम्मा जयललिता भी जनता के वोट बटोरने के लिए ऐसे ही उपहारों की घोषणा हर चुनाव में करती थीं। तमिलनाडु में 1937 से लेकर 1971 तक पूर्ण शराबबंदी लागू थी जब एम. करुणानिधि के नेतृत्व वाली सरकार बनी तो द्रमुक सरकार ने शराबबंदी को हटा ि?लया था। इस बार के चुनाव में अन्नाद्रमुक और द्रमुक ने शराब मुक्त तमिलनाडु का वादा किया है। दोनों ही दलों के चुनावी घोषणा पत्र में शराबबंदी का उल्लेख एक संदर्भ है जिससे संकेत मिलता है कि इसे लागू करने की कोई?प्रतिबद्धता नहीं है। दोनों ही दल ऐसी रेवड़ियां बांटने के वादे पर एक सा जान पड़ रही हैं। इतना ही नहीं उन्होंने नागरिकता कानून के निरस्त करने और राजीव गांधी हत्याकांड के 7 अभियुक्तों को रिहा करने जैसे विवादास्पद वादे भी कर डाले। तमिलनाडु पहले ही भारी कर्ज में डूबा

हुआ है, ऐसे में इन वादों पर एक बहस छिड़ गई है। चुनावी वादे करने में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल अध्यक्ष ममता बनर्जी भी पीछे नहीं हटीं। उन्होंने घर-घर राशन पहुंचाने और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को?एक हजार रुपए, ओबीसी और एससी, एसटी के लिए प्रति वर्ष 12 हजार रुपए दिए जाएंगे। सामान्य परिवार के लोगों को प्रति ?माह 500 रुपए, अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों को एक हजार रुपए दिए जाएंगे। किसानों को हर वर्ष 6 हजार मिलता लेकिन अब किसानो को दस हजार रुपए दिए जाएंगे। उन्होंने छात्रों को टैब्स लेने के लिए दस हजार का क्रेडिट कार्ड देने की भी घोषणा की है। यद्यपि ममता बनर्जी ने अपने किए गए कामों पर अपनी पीठ थपथपाई है लेकिन पांचों राज्यों के मतदाता किसके वादे पर कितना भरोसा करते हैं यह तो चुनाव परिणाम ही बताएंगे। लगभग सभी दलों ने अपनी-अपनी ढपली पर अपना-अपना राग अलापना शुरू कर दिया है लेकिन इन वादों के जमीन पर लागू होने के संबंध में हर बार की तरह संदेह का वातावरण बना हुआ है। अधिकांश मतदाता यह मानते हैं कि ये घोषणा पत्र चुनावों के बाद रद्दी की टोकरी की शोभा बढ़ाएंगे और लोग बस यही कहेंगे-झूठा है तेरा वादा-वादा तेरा वादा। कोरोना महामारी के चलते अर्थव्यवस्था काफी प्रभावित हुई है। केन्द्र के साथ-साथ राज्य सरकारें भी राजस्व की कमी का सामना कर रही हैं ऐसी स्थिति में उम्मीदें कम हैं कि यह घोषणाएं जमीनी स्तर पर लागू होंगी। लोकतंत्र में इस तरह की अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं और आश्वासन राजनीति को दूषित कर रहे हैं जो न केवल लोकतंत्र का उपहास है बल्कि एक बड़ी विसंगति का द्योतक है। राजनीतिक दलों में पनप रही ये मुफ्त बांटने की संस्कृति को क्या लोभ की राजनीति नहीं माना जाना चाहिए? यह कैसा लोकतांत्रिक ढांचा बन रहा है, जिसमें पार्टियां अपनी सीमा से कहीं अधिक बढ़कर घोषणाएं कर रही हैं। इन्हें किसी भी तरह से जनहित नहीं कहा जा सकता। अब सवाल यह है कि क्या सार्वजनिक संसाधन किसी को बिल्कुल मुफ्त में उपलब्ध कराए जाने चाहिए? इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति पनप रही है। जनता का कोई भी सुविधा मुफ्त मुहैय्या कराने पर सरकार के कोष पर जो बोझ पड़ता है क्या उसकी भरपाई जनता से ही नहीं की जाती?। अब जबकि सरकारें आर्थिक रूप से आरामदेह स्थिति में नहीं हैं तो फिर ऐसी घोषणाएं लागू करने के लिए धन कहां से आएगा। सवाल यह भी है कि देश का टैक्सदाता मुफ्तखोर समाज को कब तक पालेगा? क्या वादाखिलाफी करने वाले दलों की जवाबदेही तय नहीं होनी च?हिए। कोई ऐसा कानून जरूर बनाया जाना चाहिए जिसकी वादाखिलाफी ?करने वाले दलों के विरुद्ध चुनाव आयोग कोई कार्रवाई कर सके परन्तु ऐसा कानून कौन बनाएगा। इसलिए बेहतर यही होगा कि राजनीतिक दल विवेक से काम लें और वही घोषणाएं करें जो जमीनी स्तर पर लागू हो पाए। अगर यही सिलसिला जारी रहा तो लोकतंत्र को काफी नुक्सान हो सकता है। इस मुद्दे पर मंथन होना ही चाहिए।

गडकरी की नई 'स्क्रैप नीति'

इस वास्तविकता से बहुत कम लोग ही असहमत हो सकते हैं कि केन्द्रीय सड़क व परिवहन मन्त्री श्री नितिन गडकरी मोदी मन्त्रिमंडल के नवरत्नों में से सबसे ज्यादा जगमगाते रत्न हैं। वह अपनी नीतिगत दूरदर्शिता के लिए राजनीति में पक्की पहचान बना चुके हैं। राजनीतिज्ञ का काम राजनीति को जमीन पर कलात्मक रूप में उतारने का होता है। इस कार्य में भविष्य की चुनौतियों का निपटारा करना उसके लक्ष्य पर इस प्रकार रहता है कि भावी पीढ़ियों का जीवन सुगम बने। श्री गडकरी ने लोकसभा में जिस 'मोटर वाहन स्क्रैप नीति' की घोषणा की है वह इसी तथ्य का ही प्रतीक है। इसमें आने वाली पीढ़ियों के साथ ही वर्तमान पीढ़ी को भी सुरक्षा का वातावरण देने व पर्यावरण को आधिकारिक प्रदूषण मुक्त रखने की नीयत समाहित है। श्री गडकरी ऐसे सड़क परिवहन मन्त्री कहलायेंगे जिनके नेतृत्व में देश में सर्वाधिक राजमार्गों का निर्माण हो रहा है और अधिक से अधिक शहरों को आपस में त्वरित मार्गों से जोड़ा जा रहा है। वह दिल्ली से देहरादून की दूरी केवल दो घंटे में तय करने की योजना पर आगे बढ़ रहे हैं तो वहीं मुम्बई से पुणे तक की दूरी उन्होंने आधे समय में ही पूरी करने की योजना को लागू कर डाला है। मगर यह भी देखना है कि जल मार्गों के निर्माण के वादे और उनकी घोषणाओं का हश्र क्या होता है? जहां तक पुराने मोटर वाहनों को सड़कों से दूर रखने का सवाल है तो उन्होंने इस बारे में विस्तृत खाका खींचते हुए आम जनता को इस प्रकार राहत देने का वादा किया है कि लोग अपने 20 साल पुराने वाहन बेच कर नये वाहन खरीदने के लिए प्रेरित हो सकें। श्री गडकरी प्रयोगवादी मन्त्री

भी हैं जो लगातार बेहतरी के लिए प्रयोग करना जरूरी समझते हैं। उन्होंने अपने चुनाव क्षेत्र नागपुर में बिजली से चलने वाली बस चला कर पूरे देश में इसका प्रचलन बढ़ाया और आज हालात यह हैं कि प. बंगाल का कोलकाता शहर इस क्षेत्र में दुनिया के छह बड़े शहरों में से एक है। वह जब नया मोटर वाहन कानून लाये तो कई राज्यों ने इसका विरोध भी किया परन्तु उनकी मंशा साफ थी कि भारत में सड़कों पर यातायात सुरक्षित व नियन्त्रित तरीके से हो और सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या कम से कम हो। वाहन चालकों में आदमी की जान की कीमत का महत्व इस तरह बने कि वह 'स्व नियन्त्रण' को सुरक्षाचक्र की भांति ले। जहां तक पुराने मोटर वाहनों को सड़कों से दूर करने और इन्हें कबाड़ या स्क्रैप में तब्दील करने की नीति का सवाल है तो श्री गडकरी ने साफ कर दिया है कि 15 साल पुराने वाणिज्यिक व 20 साल पुराने निजी वाहनों को अब सड़क पर तभी चलाया जा सकेगा जब वे 'फिटनेस सर्टिफिकेट' (चालन दक्षता प्रमाणपत्र) ले लेंगे । नये नियमों के तहत इस प्रमाणपत्र को प्राप्त करने की फीस बीस गुना अधिक तक हो सकती है। इसका मतलब यही निकलता है कि श्री गडकरी पुराने वाहनों को फिटनेस सर्टिफिकेट लेने के लिए प्रेरित करने के बजाय उन्हें स्क्रैप में तब्दील करने को प्रेरित करना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने ऐसा नीति घोषित की है जिससे पुराने वाहनों के मालिक नये वाहन खरीदने को स्वतः प्रेरित होंगे। मसलन अपने पुराने वाहन को स्क्रैप में तब्दील कराने का सबूत हासिल करने वाले व्यक्ति को नया वाहन पांच प्रतिशत कम दाम पर कम्पनी से ही मिलेगा। (इसके लिए गडकरी मोटर कम्पनियों से बात कर रहे हैं) और बैंकों से वित्तीय मदद के रास्ते खुले रहेंगे। उम्मीद की जा रही है कि अपने पुराने वाहनों को स्क्रैप में तब्दील करने वाले वाहन मालिकों को बैंक और अधिक सुगमता से कर्ज देंगे। इसके साथ ही राज्य सरकारों से परिवहन मन्त्री बात कर रहे हैं कि वे स्क्रैप सबूत रखने वाले वाहन मालिकों को सड़क कर (रोड टैक्स) में 25 प्रतिशत की छूट दें और पंजीकरण फीस भी माफ कर दें। श्री गडकरी ने नये वाहनों की खरीद पर जीएसटी की दरें भी कम करने की अपील की है। ये सब फैसले श्री गडकरी इसीलिए ले रहे हैं जिससे भविष्य में वायु प्रदूषण कम से कम हो सके और पेट्रोल ईंधन खर्च भी किफायती हो सके। इसके लिए पूरे देश में वाहनों को कबाड़ में तब्दील करने वाले समन्वित केन्द्र स्थापित किये जायेंगे। ऐसा पहला केन्द्र गुजरात के 'अलंग' में बनेगा जो पहले से ही पुराने पानी के जहाजों को कबाड़ में तब्दील करने का एक केन्द्र है। इस नीति की शुरूआत श्री गडकरी सबसे पहले सरकार द्वारा प्रयोग किये जा रहे वाहनों से ही करेंगे जिससे निजी क्षेत्र के लोग प्रेरणा ले सकें। फिलहाल विभिन्न सरकारी विभागों के पास दो लाख 37 हजार ऐसा वाहन हैं जो 15 साल पुराने हैं।

ਪੰਜਾਬ ਰਿਫਲੈਕਸ਼ਨ
Email : punjabreflection@gmail.com
21 ਮਾਰਚ 2021

ਟੀ.ਬੀ. ਦੇ ਖਾਤਮੇ ਨੂੰ ਜਨਅੰਦੋਲਨ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਲੋੜ-ਸੋਨੀ

ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ-ਬਿਊਰੋ

ਟੀ.ਬੀ. ਦੇ ਖਾਤਮੇ ਨੂੰ ਜਨਅੰਦੋਲਨ ਬਣਾਉਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਸਾਲ 2025 ਤੱਕ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਟੀ.ਬੀ. ਤੋ ਮੁਕਤ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ।ਇੰਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰਗਟਾਵਾ ਸ਼੍ਰੀ ਓਮ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸੋਨੀ ਡਾਕਟਰੀ ਸਿੱਖਿਆ ਤੇ ਖੋਜ ਮੰਤਰੀ ਪੰਜਾਬ ਨੇ ਅੱਜ ਟੀ.ਬੀ ਦੇ ਖਾਤਮੇ ਸਬੰਧੀ ਪੋਸਟਰ ਨੂੰ ਰਲੀਜ਼ ਕਰਦਿਆਂ ਕੀਤਾ। ਸ਼੍ਰੀ ਸੋਨੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਟੀ.ਬੀ. ਦੇ ਖਾਤਮੇ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਸਭ ਨੂੰ ਮਿਲ ਕੇ ਇਸ ਨੂੰ ਜੜ ਤੋ ਖ਼ਤਮ ਕਰਨ ਦਾ ਪ੍ਰਣ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਮਾਂ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਅੱਗੇ ਵੱਧ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਇਕ ਨਵੇ ਜਨਅੰਦੋਲਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ 2025 ਤੱਕ ਇਸ ਬਿਮਾਰੀ ਨੂੰ ਖ਼ਤਮ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ। ਸ਼੍ਰੀ ਸੋਨੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋ ਸਾਰੇ ਸਰਕਾਰੀ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਵਿਚ ਟੀ.ਬੀ. ਦੇ ਮਰੀਜ਼ਾ ਦੀ ਜਾਂਚ ਅਤੇ ਇਲਾਜ ਮੁਫਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮਰੀਜਾਂ ਨੂੰ ਕੋਰਸ ਪੂਰਾ ਹੋਣ ਤੱਕ ਪੋਸ਼ਟਿਕ ਆਹਾਰ ਲਈ 500 ਰੁਪਏ ਪ੍ਰਤੀ ਮਹੀਨਾ ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸ਼੍ਰੀ ਸੋਨੀ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਉਹ ਟੀ.ਬੀ. ਦੇ ਲੱਛਣਾਂ ਨੂੰ ਨਾ ਛਪਾਉਣ ਅਤੇ ਸਮੇ ਸਿਰ ਡਾਕਟਰੀ ਸਹੂਲਤ ਲੈ ਕੇ ਆਪਣਾ ਇਲਾਜ ਕਰਵਾਉਣ ਤੇ ਸਿਹਤਮੰਦ ਹੋਣ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਟੀ.ਬੀ. ਅਧਿਕਾਰੀ ਡਾ: ਨਰੇਸ਼ ਚਾਵਲਾ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਹਰ ਸਾਲ 24 ਮਾਰਚ ਨੂੰ ਵਿਸ਼ਵ ਟੀ.ਬੀ. ਦਿਵਸ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਮਨਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਇਸ ਦਿਨ ਟੀ.ਬੀ. ਦੇ ਵਿਸ਼ਾਨੂ ਦੀ ਖੋਜ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਸ੍ਰੀ ਰਾਬਟ ਕਾਚ ਨੂੰ ਯਾਦ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਿੰਨਾਂ ਨੇ ਇਸ ਮਹਾਮਾਰੀ ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਣ ਲਈ ਆਪਣਾ ਸਹਿਯੋਗ ਦਿੱਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਟੀ.ਬੀ. ਦੇ ਮਰੀਜਾਂ ਨੂੰ ਡਰਨ ਜਾਂ ਘਬਰਾਉਣ ਦੀ ਕੋਈ ਲੋੜ ਨਹੀ ਜੇਕਰ ਮਰੀਜ਼ ਸਹੀ ਸਮੇ ਸਿਰ ਆਪਣਾ ਇਲਾਜ ਕਰਵਾਏ ਤਾਂ ਬਿਲਕੁਲ ਤੰਦਰੁਸਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਡਾ: ਚਾਵਲਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਟੀ.ਬੀ. ਰੋਗ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਟੋਲ ਫ੍ਰੀ ਨੰਬਰ 1800116666 ਤੇ ਸੰਪਰਕ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਕੌਂਸਲਰ ਵਿਕਾਸ ਸੋਨੀ, ਐਨ ਐਸ ਯੂ ਆਈ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਸ਼੍ਰੀ ਅਕਸ਼ੈ ਸ਼ਰਮਾ, ਸ਼੍ਰੀ ਸੰਜੀਵ ਸ਼ਰਮਾ ਵੀ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਤਰਨ ਤਾਰਨ ਦੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਦੀਵਾਨੀ ਅਤੇ ਫੌਜ਼ਦਾਰੀ ਅਦਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ 10 ਅਪ੍ਰੈਲ ਨੂੰ ਲੱਗੇਗੀ ਨੈਸ਼ਨਲ ਲੋਕ ਅਦਾਲਤ-ਜ਼ਿਲਾ ਅਤੇ ਸੈਸ਼ਨਜ਼ ਜੱਜ

ਤਰਨ ਤਾਰਨ-ਬਿਊਰੋ

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਤਰਨ ਤਾਰਨ ਦੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਦੀਵਾਨੀ ਅਤੇ ਫੌਜ਼ਦਾਰੀ ਅਦਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ 10 ਅਪ੍ਰੈਲ, 2020 ਨੂੰ ਨੈਸ਼ਨਲ ਲੋਕ ਅਦਾਲਤ ਲਗਾਈ ਜਾਵੇਗੀ।ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਹਰਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ ਰੰਧਾਵਾ, ਮਾਨਯੋਗ ਜ਼ਿਲਾ ਅਤੇ ਸੈਸ਼ਨਜ਼ ਜੱਜ-ਸਹਿਤ-ਚੇਅਰਪਰਸਨ, ਜ਼ਿਲਾ ਕਾਨੂੰਨੀ ਸੇਵਾਵਾਂ ਅਥਾਰਟੀ, ਤਰਨ ਤਾਰਨ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਇਹ ਲੋਕ ਅਦਾਲਤ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਹਰ ਤਹਿਸੀਲ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਸੁਪਰੀਮ ਕੋਰਟ ਤੱਕ ਲੱਗ ਰਹੀ ਹੈ।ਇਸ ਲੋਕ ਅਦਾਲਤ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਸੈਸ਼ਨ ਅਦਾਲਤ ਤਰਨ ਤਾਰਨ, ਪੱਟੀ ਅਤੇ ਖਡੂਰ ਸਾਹਿਬ ਵਿਖੇ ਵੀ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ 10 ਅਪ੍ਰੈਲ, 2021 ਨੂੰ ਲੋਕ ਅਦਾਲਤ ਦੌਰਾਨ ਦਿਵਾਨੀ, ਸਮਝੌਤਾ-ਯੋਗ ਫੌਜ਼ਦਾਰੀ, ਬੈਂਕ ਰਿਕਵਰੀ, ਚੈਕ ਬਾਊਂਸ, ਮਜਦੂਰਾਂ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ, ਬਿਜ਼ਲੀ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਦੇ ਬਿਲਾਂ ਸਬੰਧੀ, ਘਰੇਲੂ ਝਗੜਿਆਂ ਸਬੰਧੀ ਅਤੇ ਭੌਂ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਮਾਮਲੇ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਪੈਂਡਿੰਗ ਅਤੇ ਪ੍ਰੀਲਿਟੀਗੇਟਿਵ ਕੇਸ ਵਿਚਾਰੇ ਜਾਣਗੇ। ਉਨਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਲੋਕ ਆਪਣੇ ਉਕਤ ਵਿਹਿਆਂ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਕੇਸਾਂ ਦਾ ਲੋਕ ਅਦਾਲਤ ਰਾਹੀਂ ਨਿਪਟਾਰਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਉਹ ਸਬੰਧਤ ਕੋਰਟ ਵਿੱਚ ਜਿੱਥੇ ਉਨਾਂ ਦਾ ਕੇਸ ਚਲਦਾ ਹੈ, ਆਪਣੀ ਅਰਜ਼ੀ ਦੇ ਸਕਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਨਵੇਂ ਮਾਮਲਿਆਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਲੋਕ ਅਦਾਲਤ ਰਾਹੀਂ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਸਬੰਧਤ ਕਾਨੂੰਨੀ ਸੇਵਾਵਾਂ ਅਥਾਰਟੀ/ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਦਫ਼ਤਰ ਵਿੱਚ ਆਪਣੀ ਅਰਜ਼ੀ ਦੇ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਉਹਨਾਂ ਲੋਕ ਅਦਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ ਕੇਸ ਲਾਉਣ ਦੇ ਲਾਭ ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਲੋਕ ਅਦਾਲਤ ਵਿੱਚ ਦੋਹਾਂ ਧਿਰਾਂ ਦੀ ਸਹਿਮਤੀ ਨਾਲ ਕੇਸ ਦਾ ਸਥਾਈ ਹੱਲ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਇਸ ਵਿੱਚ ਕੋਰਟ ਫੀਸ ਵੀ ਵਾਪਸ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।ਇਸ ਵਿੱਚ ਦੋਨੇ ਧਿਰਾਂ ਦੀ ਸਹਿਮਤੀ ਨਾਲ ਨਿਪਟਾਰਾ ਹੋਣ ਨਾਲ ਦੋਹੇ ਧਿਰਾਂ ਹੀ ਜੇਤੂ ਰਹਿੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਲੋਕ ਅਦਾਲਤਾਂ ਰਾਹੀਂ ਸਮੇਂ ਅਤੇ ਧਨ ਦੀ ਬੱਚਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਲੋਕ ਅਦਾਲਤ ਦੇ ਫ਼ੈਸਲੇ ਨੂੰ ਸਿਵਲ ਕੋਰਟ ਦੀ ਡਿਗਰੀ ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਹੀ ਮਾਨਤਾ ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਫ਼ੈਸਲੇ ਵਿਚ ਕਿਤੇ ਅਪੀਲ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕੇਸ ਦਾ ਸਥਾਈ ਹੱਲ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਕਾਨੂੰਨੀ ਸੇਵਾਵਾਂ ਅਥਾਰਟੀ ਦੇ ਟੋਲ ਫ੍ਰੀ ਹੈਲਪਲਾਈਨ ਨੰਬਰ 1968 'ਤੇ ਸੰਪਰਕ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਤਰਨ ਤਾਰਨ ਵਿੱਚ 15372 ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਕੋਵਿਡ ਵੈਕਸੀਨ ਦਾ ਟੀਕਾ-ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ

ਤਰਨ ਤਾਰਨ-ਬਿਊਰੋ

ਹੁਣ ਤੱਕ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਤਰਨ ਤਾਰਨ ਵਿੱਚ 15372 ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਕੋਵਿਡ ਵੈਕਸੀਨ ਦਾ ਟੀਕਾ ਲਗਾਇਆ ਜਾ ਚੁੱਕਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜ਼ਿਲੇ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸਰਕਾਰੀ ਹਸਪਤਾਲਾਂ 'ਚ ਕੋਵਿਡ-19 ਦੀ ਜਾਂਚ ਲਈ ਅੱਜ 898 ਸੈਂਪਲ ਹੋਰ ਲਏ ਗਏ ਹਨ। ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਤਰਨ ਤਾਰਨ ਸ੍ਰੀ ਕੁਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਜ਼ਿਲਾ ਤਰਨ ਤਾਰਨ ਵਿੱਚ ਕੋਵਿਡ-19 ਦੀ ਜਾਂਚ ਲਈ ਹੁਣ ਤੱਕ ਆਰ. ਟੀ. ਪੀ. ਸੀ. ਆਰ., ਰੈਪਿਡ ਐਂਟੀਜਨ ਤੇ ਟਰੂਨੈੱਟ ਵਿਧੀ ਰਾਹੀਂ 183776 ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੀ ਜਾਂਚ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ, ਜਿੰਨਾਂ ਵਿਚੋਂ 180010 ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਨੈਗੇਟਿਵ ਆਈ ਹੈ ਅਤੇ 838 ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਆਉਣੀ ਬਾਕੀ ਹੈ। ਉਹਨਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਜ਼ਿਲਾ ਤਰਨ ਤਾਰਨ ਵਿੱਚ ਹੁਣ ਤੱਕ 2636 ਵਿਅਕਤੀ ਕੋਵਿਡ-19 ਤੋਂ ਪੀੜਤ ਪਾਏ ਗਏ ਹਨ।ਉਹਨਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਹੁਣ ਤੱਕ ਕਰੋਨਾ ਵਾਇਰਸ ਤੋਂ ਪੀੜਤ 2222 ਵਿਅਕਤੀ ਕੋਰੋਨਾ ਵਾਇਰਸ ਨੂੰ ਮਾਤ ਦਿੰਦਿਆਂ ਸਿਹਤਯਾਬੀ ਹਾਸਲ ਕਰ ਚੁੱਕੇ ਹਨ । ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ 19 ਮਾਰਚ ਨੂੰ ਜਾਂਚ ਲਈ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਲੈਬ ਵਿੱਚ ਭੇਜੇ ਗਏ 820 ਨਮੂਨਿਆਂ ਵਿੱਚੋਂ 43 ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਪਾਜ਼ੇਟਿਵ ਆਈ ਹੈ ਅਤੇ 777 ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਨੈਗੇਟਿਵ ਪਾਈ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਜ਼ਿਲੇ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸਰਕਾਰੀ ਹਸਪਤਾਲਾਂ 'ਚ ਅੱਜ ਕੀਤੇ ਗਏ 60 ਰੈਪਿਡ ਐਂਟੀਜਨ ਟੈਸਟਾਂ ਵਿੱਚੋਂ 02 ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਪਾਜ਼ੇਟਿਵ ਆਈ ਹੈ ਅਤੇ 58 ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਨੈਗੇਟਿਵ ਪਾਈ ਗਈ ਹੈ। ਜ਼ਿਲਾ ਤਰਨ ਤਾਰਨ ਵਿੱਚ ਇਸ ਸਮੇਂ ਕੋਵਿਡ-19 ਦੇ 289 ਐਕਟਿਵ ਕੇਸ ਹਨ, ਜਿੰਨਾਂ ਵਿੱਚੋਂ 183 ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਘਰਾਂ ਚ ਇਕਾਂਤਵਾਸ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ 04 ਵਿਅਕਤੀ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਸੁਪਰ ਸਪੈਸ਼ਲਿਟੀ ਹਸਪਤਾਲ ਤਰਨ ਤਾਰਨ ਅਤੇ 15 ਵਿਅਕਤੀ ਇਲਾਜ ਲਈ ਹੋਰ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਿੱਚ ਦਾਖਲ ਹਨ।ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ 03 ਮਰੀਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਹਸਪਤਾਲ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਲਈ ਰੈਫਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਉਹਨਾਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਵਾਸੀਆਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਕਰੋਨਾ ਵਾਇਰਸ ਦੇ ਵਧ ਰਹੇ ਕੇਸਾਂ ਕਰਕੇ ਉਹ ਕੋਵਿਡ-19 ਮਹਾਂਮਾਰੀ ਪ੍ਰਤੀ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਜਾਰੀ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਅਪਣਾਉਣ ਅਤੇ ਮਾਸਕ ਪਹਿਨਣ, ਹੱਥਾਂ ਨੂੰ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਸਾਫ਼ ਕਰਨ ਅਤੇ 2 ਗਜ਼ ਦੀ ਸਮਾਜਿਕ ਦੂਰੀ ਨੂੰ ਬਣਾਏ ਰੱਖਣ।

ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸਨਰ ਅਤੇ ਐਸ.ਐਸ.ਪੀ ਦੇ ਦਿਸਾ ਨਿਰਦੇਸਾਂ ਹੇਠ ਸਖਤ ਕਾਰਵਾਈ ਤੇਜ

ਮਾਨਸਾ-ਬਿਊਰੋ

ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸਨਰ ਸ੍ਰੀ ਮਹਿੰਦਰ ਪਾਲ ਅਤੇ ਐਸ ਐਸ ਪੀ ਸ੍ਰੀ ਸੁਰੇਂਦਰ ਲਾਂਬਾ ਵੱਲੋਂ ਜਾਰੀ ਸਖਤ ਹਦਾਇਤਾਂ ਉਤੇ ਅਮਲ ਕਰਦਿਆਂ ਅੱਜ ਸਾਰਾ ਦਿਨ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਦੀਆਂ ਟੀਮਾਂ ਅਤੇ ਪੁਲਿਸ ਵੱਲੋਂ ਕੋਰੋਨਾ ਸਬੰਧੀ ਸਿਹਤ ਸਲਾਹਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਨਾ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਵਿਰੁੱਧ ਸਖਤ ਕਾਰਵਾਈ ਤੇਜ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਪੁਲਿਸ ਟੀਮਾਂ ਵੱਲੋਂ ਸਹਿਰਾਂ ਵਿੱਚ ਚੈਕਸੀ ਵਧਾਉਂਦੇ ਹੋਏ 135 ਅਜਿਹੇ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਦੇ ਚਲਾਨ ਕੱਟੇ ਗਏ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੁਆਰਾ ਮਾਸਕ ਨਾ ਪਾਉਣ ਕਰਕੇ ਹੋਰਨਾਂ ਦੀ ਸਿਹਤ ਸੁਰੱਖਿਆ ਨੂੰ ਖਤਰੇ ਵਿਚ ਪਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ। ਜਲ੍ਹਿਾ ਪੁਲਿਸ ਮੁਖੀ ਸ੍ਰੀ ਸੁਰੇਂਦਰ ਲਾਂਬਾ ਨੇ ਸਪੱਸਟ ਸਬਦਾਂ ਵਿੱਚ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਕੋਰੋਨਾ ਦੇ ਵਧਦੇ ਪਾਸਾਰ ਨੂੰ ਸਖਤੀ ਨਾਲ ਰੋਕਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਕੋਲੋਂ ਵੀ ਪੂਰਨ ਸਹਿਯੋਗ ਦੀ ਉਮੀਦ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਮਾਨਸਾ ਸਹਿਰ ਵਿੱਚ ਐਸ ਐਚ ਓ ਸਿਟੀ 1 ਅਤੇ ਐਸ ਐਚ ਓ ਸਿਟੀ 2 ਦੁਆਰਾ ਮਾਸਕ ਨਾ ਪਾਉਣ ਵਾਲਿਆਂ ਦੇ ਚਲਾਨ ਕੱਟੇ ਗਏ ਅਤੇ ਭਵਿੱਖ ਵਿੱਚ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਹਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਸਹਿਰ ਵਿੱਚ 100 ਮਾਸਕ ਮੁਫਤ ਵੀ ਵੰਡੇ। ਵਾਹਨਾਂ ਦੇ ਚਾਲਕਾਂ ਨੂੰ ਮਾਸਕ ਪਾ ਕੇ ਰੱਖਣ ਲਈ ਕਿਹਾ ਗਿਆ। ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸਨਰ ਸ੍ਰੀ ਮਹਿੰਦਰ ਪਾਲ ਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਮਾਨਸਾ, ਸਰਦੂਲਗੜ੍ਹ ਅਤੇ ਬੁਢਲਾਡਾ ਵਿੱਚ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਦੇ ਕੋਰੋਨਾ ਜਾਂਚ ਸਬੰਧੀ ਸੈਂਪਲ ਲੈਣ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਜਾਰੀ ਰਹੀ। ਸਿਵਲ ਸਰਜਨ ਡਾ ਸੁਖਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਅੱਜ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਦੀਆਂ ਟੀਮਾਂ ਵੱਲੋਂ 740 ਸੈਂਪਲ ਲਏ ਗਏ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅੱਜ 9 ਪਾਜਟਿਵ ਕੇਸ ਆਉਣ ਨਾਲ ਜਲ੍ਹਿਾ ਮਾਨਸਾ ਵਿੱਚ ਐਕਟਿਵ ਕੇਸਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ 118 ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਵਾਰ ਵਾਰ ਹੱਥ ਧੋਣੇ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਏ ਜਾਣ, ਮਾਸਕ ਪਾ ਕੇ ਰੱਖਿਆ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਦੂਰੀ ਸਬੰਧੀ ਨਿਯਮਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ।

ਨਰਮੇ ਦੀ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾ ਚਿੱਟੀ ਮੱਖੀ ਨੂੰ ਪਨਾਹ ਦੇਣ ਵਾਲੇ ਨਦੀਨਾਂ ਦਾ ਖਾਤਮਾ ਜ਼ਰੂਰੀ-ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਸਥਾਰ ਅਫਸਰ

ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ-ਬਿਊਰੋ

ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਅਤੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾ ਅਤੇ ਮੁੱਖ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਫਸਰ ਸ੍ਰੀ ਸੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਬਲਾਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਫਸਰ ਸ੍ਰੀ ਭੁਪਿੰਦਰ ਕੁਮਾਰ ਦੀ ਯੋਗ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਬਲਾਕ ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ ਦੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨ ਭਲਾਈ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਨਦੀਨ ਨਸ਼ਟ ਕਰੋ ਮੁਹਿੰਮ ਚਲਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਪਿੰਡ ਬੰਨਾਵਾਲਾ ਵਿਖੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਸਥਾਰ ਅਫਸਰ ਸ੍ਰੀ ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਕ੍ਰਿਪਾਲ ਸਿੰਘ ਵੱਲੋਂ ਕੈਂਪ ਲਗਾ ਕੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਜੋ ਨਰਮੇ ਦੀ ਫਸਲ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਹਾਨੀਕਾਰਕ ਕੀਟ ਹਨ, ਉਹ ਨਰਮੇ ਦੀ ਫਸਲ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾ ਨਦੀਨਾਂ ਉਪਰ ਪਲਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਨਰਮੇ ਦੀ ਫਸਲ ਆਉਣ ਤੇ ਨਰਮੇ/ਕਪਾਹ ਤੇ ਆ ਕੇ ਫਸਲ ਦਾ ਵੱਡਾ ਨੁਕਸਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਚਿੱਟੀ ਮੱਖੀ ਮਿੱਲੀ ਬੱਗ ਆਦਿ ਹਾਨੀਕਾਰਕ ਕੀਟਾ ਨੂੰ ਪਨਾਹ ਦੇਣ ਵਾਲੇ ਨਦੀਨਾਂ ਜਿਵੇ ਕਿ ਪੀਲੀ ਬੂਟੀ, ਗਾਜਰ ਬੂਟੀ, ਧਤੂਰਾ, ਕੰਗੀ ਬੂਟੀ, ਭੰਗ, ਪੁੱਛ-ਕੰਡਾ, ਦੋਧਕ, ਚੁਲਾਈ, ਤਾਦਲਾ ਭੰਗੋਲਾ ਆਦਿ ਨੂੰ ਜੜ੍ਹੋ ਪੱਟ ਕੇ ਨਸ਼ਟ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਮਨਰੇਗਾ ਮਜ਼ਦੂਰਾ ਦੁਆਰਾ ਵੀ ਖਾਲੀ ਜਗ੍ਹਾ ਦੇ ਆਸ-ਪਾਸ, ਨਹਿਰਾਂ, ਖਾਲਾ ਦੇ ਆਸ-ਪਾਸ ਸਰਕਾਰੀ ਥਾਵਾਂ, ਵਾਟਰਵਰਕਸ, ਸਕੂਲ ਸਮਸਾਨ ਘਾਟ ਜਾਂ ਖਾਲੀ ਪਈਆ ਜਮੀਨਾਂ ਤੋਂ ਨਦੀਨ ਪੁੱਟ ਕੇ ਲਗਾਤਾਰ ਮੁਹਿੰਮ ਚਲਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਵੱਖ-ਵੱਖ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਕੈਂਪ ਲਗਾ ਕੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਅਤੇ ਮਨਰੇਗਾ ਮਜਦੂਰਾਂ ਦੁਆਰਾ ਮੁਹਿੰਮ ਚਲਾ ਕੇ ਨਦੀਨ ਖਤਮ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ।

विभिन्न देशों में फुटबॉल के विजेताओं के लिए खेल प्रतियोगिता

लुधियाना-ब्यूरो

पंजाब यूथ डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष सुखविंदर सिंह बिंद्रा ने आज जानकारी दी कि बोर्ड द्वारा वितरित की जा रही स्पोर्ट्स किट से मुख्य रूप से राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं को बड़ी संख्या में लाभ होगा। उन्होंने आज यहां निकटवर्ती गांव पामल में एक फुटबॉल टूर्नामेंट में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर बोलते हुए, अध्यक्ष बिंद्रा ने कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार युवाओं में खेल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और इसीलिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। इस अवसर पर इस टूर्नामेंट के विजेताओं को खेल किट भी वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि इस तरह के टूर्नामेंट राज्य के विभिन्न हिस्सों में आयोजित किए जा रहे हैं और इस विशेष टूर्नामेंट में 32 गांवों की टीमों ने भाग लिया। उन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए यूथ सर्विसेज क्लब, ग्राम पमाल के प्रयासों की भी सराहना की।

पंचायत चुनाव के लिए मतदान केंद्रों की सूची जारी

हमीरपुर-ब्यूरो

जिला की विभिन्न ग्राम पंचायतों के खाली पदों पर होने वाले चुनाव के लिए मतदान केंद्रों की सूची जारी कर दी गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) देवाश्वेता बनिक ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना के अनुसार कुल 14 मतदान केंद्रों में से एक मतदान केंद्र संवेदनशील और एक मतदान केंद्र को अति संवेदनशील घोषित किया गया है।

6 लोग निकले कोरोना पॉजीटिव

हमीरपुर-ब्यूरो

जिला में शनिवार रैपिड एंटीजन टैस्ट और आरटी-पीसीआर टैस्ट में 3-3 लोग कोरोना पॉजीटिव पाए गए हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अर्चना सोनी ने बताया कि जिला में शनिवार को रैपिड एंटीजन टैस्ट के लिए कुल 399 सैंपल लिए गए, जिनमें से 3 पॉजीटिव निकले। पॉजीटिव पाए गए लोगों में मटाहणी का 35 वर्षीय व्यक्ति, डुगली क्षेत्र के गांव भरनोट का 56 वर्षीय व्यक्ति और नादौन के वार्ड नंबर 5 का 22 वर्षीय युवक शामिल है। डॉ. अर्चना सोनी ने बताया कि आरटी-पीसीआर टैस्ट में सलासी के 53 वर्षीय व्यक्ति, नादौन के गांव नरारडा की 45 वर्षीय महिला और कनोह की 40 वर्षीय महिला की रिपोर्ट पॉजीटिव आई है।

जिला प्रशासन और लुधियाना पुलिस द्वारा गठित मोबाइल टीमों ने बिना मास्क पहने लोगों के रैपिड करोना टेस्ट किये ऐसे घोर लापरवाही के कारण कोविड फैलाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। लुधियाना में स्वास्थ्य विभाग की मदद से संयुक्त टीमों का गठन किया गया है।

लाल कुर्ती बाजार का अरमान हत्याकांड : परिवार ने CBI जांच के लिए हाईकोर्ट में की याचिका दायर : सुनीता (अरमान की मां)

पंजाब रिफ्लेक्शन न्यूज़-राकेश कुमार

जालंधर कैंट स्थित लाल कुर्ती बाजार में प्रैंक के बहाने दोस्त द्वारा कत्ल किए गए **NRI** के बेटे व केंद्रीय विद्यालय 4 के 12वीं क्लास में पढ़ने वाले अरमान का बहुचर्चित मामला फिर चर्चा में आ गया है। बच्चे की मां ने आरोप लगाया कि पंजाब पुलिस ने इस मामले में सही सुनवाई नहीं की। अब उन्होंने ष्ट.द्ब जांच के लिए पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी है। पंजाब प्रेस क्लब में अरमान की मां सुनीता ने कहा कि पुलिस न तो इस मामले के असल कारण तक पहुंच सकी है और न ही कत्ल में शामिल बाकी लोगों को तलाश पाई है। यही नहीं, आरोपी अब जेल में सोशल मीडिया इस्तेमाल करते हुए आरामदायक जिंदगी बिता रहा है। सुनीता ने कहा कि पुलिस ने दावा किया था कि स्कूल में पढ़ने वाली एक लड़की अरमान को चाहती थी, इससे खफा होकर दूसरे छात्र ने अरमान को मारा। अगर ऐसा था तो पुलिस ने उस लड़की को केस में शामिल क्यों नहीं किया, जबकि लड़की इससे मुकर चुकी है कि उसका इन दोनों के प्रति कोई आकर्षण नही था। उन्होंने कहा कि यह प्री-प्लांड मर्डर था क्योंकि कातिल सब सामान लेकर आया था तो उसके साथ बाकी लोग भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन पुलिस ने किसी दूसरे को नहीं पकड़ा।

ਕੋਵਿਡ-19 ਦੇ ਵੱਧਦੇ ਖਤਰੇ ਨੂੰ ਦੇਖਦਿਆਂ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਤਿਆਰੀ ਕੀਤੀ - ਚੇਅਰਮੈਨ ਚੀਮਾ

ਬਟਾਲਾ-ਬਿਊਰੋ

ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਕੋਵਿਡ-19 ਦੇ ਵੱਧਦੇ ਖਤਰੇ ਨੂੰ ਦੇਖਦਿਆਂ ਹੋਇਆਂ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਸਾਰੇ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਅਤੇ ਸਿਹਤ ਸੰਭਾਲ ਸਹੂਲਤਾਂ ਨੂੰ 31 ਮਾਰਚ ਤੱਕ ਹਫਤੇ ਦੇ ਸੱਤੇ ਦਿਨ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਘੱਟੋ-ਘੱਟ 8 ਘੰਟੇ ਨਿਰਵਿਘਨ ਟੀਕਾਕਰਨ ਸੇਵਾਵਾਂ ਦੇਣ ਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ। ਇਹ ਸਬੰਧੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਪੰਜਾਬ ਹੈਲਥ ਸਿਸਟਮਜ਼ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸ. ਅਮਰਦੀਪ ਸਿੰਘ ਚੀਮਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕੋਵਿਡ-19 ਦਾ ਟਕਾਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਨਾਲ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਪੂਰਾ ਸਹਿਯੋਗ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਨਿਰਧਾਰਤ ਦਰਾਂ ਉੱਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਕੋਵਿਡ-19 ਦਾ ਟੀਕਾਕਰਨ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਸ. ਚੀਮਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਾਰੇ ਮੁੱਢਲੇ ਸਿਹਤ ਕੇਂਦਰਾਂ (ਪੀ.ਐਚ.ਸੀ.) ਅਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਵਿੱਚ ਹਫਤੇ ਦੇ ਸੱਤੇ ਦਿਨ ਟੀਕਾਕਰਨ ਦੀਆਂ ਸੇਵਾਵਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਨੂੰ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ ਕਿ ਸਾਰੇ ਫਰੰਟਲਾਈਨ ਵਰਕਰਾਂ ਨੂੰ ਕਵਰ ਕਰਨਾ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਸਰਗਰਮੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣ। ਉਨਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਸ ਵਿੱਚ ਉਹ ਸਾਰੇ ਸ਼ਾਮਲ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਜੋ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸੇਵਾਵਾਂ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਉਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਕਰਫਿਊ ਤੇ ਲੌਕਡਾਊਨ ਦੌਰਾਨ ਕੋਵਿਡ ਡਿਊਟੀਆਂ ਨਿਭਾਉਦੇ ਸਨ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸ. ਅਮਰਦੀਪ ਸਿੰਘ ਚੀਮਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਾਰੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਵਿੱਚ ਦਵਾਈਆਂ ਦੇ ਸਟਾਕ ਅਤੇ ਮਨੁੱਖੀ ਸ਼ਕਤੀ ਤੇ ਸਰੋਤਾਂ ਦੀ ਉਪਲੱਬਧਤਾ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਇਕ ਸਾਲ ਦੌਰਾਨ ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਕੋਵਿਡ ਦੇ ਕੇਸ ਤੁਲਨਾਤਮਕ ਘੱਟ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਸੂਬਾ ਕੋਵਿਡ ਕੇਸਾਂ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਸਾਰੇ ਸੂਬਿਆਂ ਵਿੱਚੋਂ ਲਗਾਤਾਰ 18ਵੇਂ ਸਥਾਨ ਉਤੇ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਉਨਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹਾਲਾਂਕਿ ਮੌਤ ਦਰ ਜ਼ਰੂਰ ਚਿੰਤਾ ਦਾ ਵਿਸ਼ਾ ਰਹੀ ਹੈ ਪਰ ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਤੀ ਮਿਲੀਅਨ ਵਸੋਂ ਪਿੱਛੇ 206 ਮੌਤਾਂ ਹੋਈਆਂ ਜਦੋਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਤੁਲਨਾ ਵਿੱਚ ਦਿੱਲੀ ਵਿੱਚ 542 ਅਤੇ ਮਹਾਂਰਾਸ਼ਟਰ ਵਿੱਚ 431 ਮੌਤਾਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। ਸ. ਚੀਮਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹਾਲਾਂਕਿ ਇਹ ਚਿੰਤਾ ਦਾ ਵਿਸ਼ਾ ਹੈ ਅਤੇ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਦੇ ਅੰਤ ਤੱਕ ਸਮੱਸਿਆ ਨੂੰ ਕੰਟੋਰਲ ਹੇਠ ਲਿਆਉਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਪਿਛਲੇ ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਤੋਂ ਕੇਸਾਂ ਵਿੱਚ ਮੁੜ ਵਾਧਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਉਨਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਰੋਜ਼ਾਨਾ 200 ਕੇਸਾਂ ਅਤੇ ਇਕਹਿਰੀ ਸੰਖਿਆ ਵਿੱਚ ਮੌਤਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਤੋਂ ਵਧ ਕੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਹੁਣ 2000 ਕੇਸ ਪ੍ਰਤੀ ਦਿਨ ਤੱਕ ਆਉਣ ਲੱਗੇ ਹਨ ਅਤੇ ਮੌਤਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿੱਚ ਵੀ ਵਾਧਾ ਹੋਇਆ ਹੈ।

ਮਾਨਸਾ ਸਹਿਰ ਵਿੱਚ ਬਿਨਾਂ ਮਾਸਕ ਤੋਂ ਘੁੰਮ ਕੇ ਹੋਰਨਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਸਿਹਤ ਸੁਰੱਖਿਆ ਨੂੰ ਖਤਰੇ ਵਿਚ ਪਾਉਣ ਵਾਲਿਆਂ ਖਲਿਾਫ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਅੱਜ ਸਖਤ ਕਾਰਵਾਈ ਅਮਲ ਵਿੱਚ ਲਿਆਂਦੀ। ਜਲ੍ਹਿਾ ਪੁਲਿਸ ਮੁਖੀ ਸ੍ਰੀ ਸੁਰੇਂਦਰ ਲਾਂਬਾ ਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਐਸ ਐਚ ਓ ਸਿਟੀ 1 ਅਤੇ ਐਸ ਐਚ ਓ ਸਿਟੀ 2 ਦੁਆਰਾ ਮਾਸਕ ਨਾ ਪਾਉਣ ਵਾਲਿਆਂ ਦੇ ਚਲਾਨ ਕੱਟੇ ਗਏ। ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਦੀਆਂ ਟੀਮਾਂ ਸਿਵਲ ਸਰਜਨ ਡਾ. ਸੁਖਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਡਿਪਟੀ ਮੈਡੀਕਲ ਕਮਿਸਨਰ ਡਾ. ਰਣਜੀਤ ਸਿੰਘ ਰਾਏ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਕੋਰੋਨਾ ਸੈਂਪਲ ਭਰਨ ਲਈ ਸਰਗਰਮ ਰਹੀਆਂ।

ਸ੍ਰੀ ਚਰਨਜੀਤ ਸਿੰਘ ਸੋਹਲ , ਐਸ.ਐਸ.ਪੀ ਲੁਧਿਆਣਾ ਦਿਹਾਤੀ ਵਲੋ ਸ਼ਹਿਰ ਦੀਆ ਸੰਸਥਾਵਾ ਨਾਲ ਦੇਸ਼ ਭਰ ਵਿੱਚ ਕਰੋਨਾ ਮਹਾਂਮਾਰੀ ਦੇ ਵਧਦੇ ਪ੍ਰਭਾਵ ਨੂੰ ਦੇਖਦਿਆ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆ ਨਵੀਆ ਗਾਈਡ ਲਾਈਨਜ ਸਬੰਧੀ ਇੱਕ ਖਾਸ ਮੀਟਿੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਕਰੋਨਾ ਖਿਲਾਫ ਮੁਹਿੰਮ ਦੌਰਾਨ ਸੰਸਥਾਵਾ ਨੂੰ ਸਹਿਯੋਗ ਦੇਣ ਦੀ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਗਈ।

ਸਪੈਸਲ ਓਪਰੇਸਨ ਯੂਨਿਟ ਕਮਿਸਨਰੇਟ ਜਲੰਧਰ ਹੱਥੇ ਚੜਿਆ ਇੱਕ ਵਿਅਕਤੀ 05 ਗ੍ਰਾਮ ਹੈਰੋਇਨ ਸਮੇਤ ਕਾਬੂ

ਪੰਜਾਬ ਰਿਫਲੈਕਸ਼ਨ (ਜਲੰਧਰ)

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਭੁੱਲਰ ਆਈ.ਪੀ.ਐਸ. ਕਮਿਸਨਰ ਪੁਲਿਸ ਜਲੰਧਰ ਜੀ ਦੇ ਦਿਸਾ ਨਿਰਦੇਸਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਸਹਿਰ ਵਿੱਚ ਮਾੜੇ ਅਨਸਰਾਂ ਅਤੇ ਨਸਾ ਸਮਗਲਰਾਂ ਵਿਰੁੱਧ ਚਲਾਈ ਗਈ ਵਿਸੇਸ ਮੁਹਿੰਮ ਤਹਿਤ ਸਪੈਸਲ ਓਪਰੇਸਨ ਯੁਨਿਟ ਕਮਿਸਨਰੇਟ ਜਲੰਧਰ ਦੀ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਇੱਕ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਹੈਰੋਇਨ ਸਮੇਤ ਕਾਬੂ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਸਫਲਤਾ ਹਾਸਿਲ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਪ੍ਰੈਸ ਨੂੰ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਸ੍ਰੀ ਕੰਵਲਜੀਤ ਸਿੰਘ ਪੀ.ਪੀ.ਐਸ. ਏ.ਸੀ.ਪੀ.ਡਿਟੈਕਟਿਵ ਕਮਿਸਨਰੇਟ ਜਲੰਧਰ ਜੀ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਮਿਤੀ 19.03.2021 ਨੂੰ ਐਸ.ਆਈ.ਅਸਵਨੀ ਕੁਮਾਰ ਇੰਚਾਰਜ ਸਪੈਸਲ ਉਪਰੇਸਨ ਯੁਨਿਟ ਕਮਿਸਨਰੇਟ ਜਲੰਧਰ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਵਿੱਚ ਸਪੈਸਲ ਉਪਰੇਸਨ ਯੁਨਿਟ ਕਮਿਸਨਰੇਟ ਜਲੰਧਰ ਦੀ ਪੁਲਿਸ ਪਾਰਟੀ ਨੇ ਦੌਰਾਨੇ ਨਾਕਾਬੰਦੀ ਵਰਕਸਾਪ ਚੌਂਕ ਜਲੰਧਰ ਤੋਂ ਇੱਕ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਕਾਬੂ ਕਰਕੇ ਉਸ ਪਾਸੋਂ 5 ਗ੍ਰਾਮ ਹੈਰੋਇਨ ਬ੍ਰਾਮਦ ਕਰਕੇ ਦੋਸੀ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਮੁੱ : ਨੰ : 30 ਮਿਤੀ ਮਿਤੀ 19.03.2021 ਅ : ਧ 21/61/85 ਥਾਣਾ ਡਵੀ : ਨੰ : 1 ਕਮਿ : ਜਲੰਧਰ ਦਰਜ ਰਜਿਸਟਰ ਕਰਾਇਆ ਗਿਆ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਦੋਸੀ : - ਪਰਮਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਉਰਫ ਪਿੰਦਰੀ ਪੁੱਤਰ ਬਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਵਾਸੀ ਪਿੰਡ ਚਲੂਪਰ ਥਾਣਾ ਬੁੱਲੋਵਾਲ ਜਿਲ੍ਹਾ ਹੁਸਿਆਰਪੁਰ ਹਾਲ ਵਾਸੀ ਗੁਲਮੋਹਰ ਕਲੋਨੀ ਨੇੜੇ ਬਾਈਪਾਸ ਜਲੰਧਰ ।ਉਮਰ 19 ਸਾਲ ਮੁੱ : ਨੰ : 30 ਮਿਤੀ 19.03.2021 ਅ : ਧ 21/61/85 ਥਾਣਾ ਡਵੀ : ਨੰ : 1 ਕਮਿ : ਜਲੰਧਰ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰੀ ਦੀ ਜਗ੍ਹਾ : - ਪੁਲ ਗੰਦਾ ਨਾਲਾ ਜੀ.ਟੀ.ਰੋਡ ਸਬਜੀ ਮੰਡੀ ਮਕਸੂਦਾਂ । ਰਿਕਵਰੀ : - ਹੈਰੋਇਨ- 05 ਗ੍ਰਾਮ । ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਦੋਸੀ ਪਰਮਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਉਰਫ ਪਿੰਦਰੀ ਦੀ ਪੁੱਛਗਿੱਛ ਦਾ ਵੇਰਵਾ : ਪਰਮਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਉਰਫ ਪਿੰਦਰੀ ਦੀ ਉਮਰ ਕ੍ਰਬ 15 ਸਾਲ ਹੈ ।ਇਸਨੇ ਨੌਵੀਂ ਕਲਾਸ ਤੱਕ ਪੜਾਈ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਇਹ ਅਣਵਿਆਹਿਆ ਹੈ । ਦੌਰਾਨੇ ਪੁੱਛਗਿੱਛ ਦੋਸੀ ਪਰਮਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਉਰਫ ਪਿੰਦਰੀ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਉਹ ਕੀਬ 01 ਮਹੀਨੇ ਤੋਂ ਹੈਰੋਇਨ ਵੇਚਣ ਦਾ ਧੰਦਾ ਕਰਦਾ ਹੈ । ਦੋਸੀ ਦਾ ਪੁਲਿਸ ਰਿਮਾਂਡ ਹਾਸਿਲ ਕਰਕੇ ਡੂੰਘਾਈ ਨਾਲ ਪੁੱਛਗਿੱਛ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

ਕੇ.ਐਮ.ਵੀ. ਵਿਖੇ ਐਲਬਰਟ ਆਈਨਸਟਾਈਨ ਦੀ 142ਵੀਂ ਜੈਅੰਤੀ ਮੌਕੇ ਆਯੋਜਿਤ ਹੋਇਆ ਰਾਸ਼ਟਰ ਪੱਧਰੀ ਆਨਲਾਈਨ ਕੁਇਜ

ਜਲੰਧਰ-ਬਿਊਰੋ

ਭਾਰਤ ਦੀ ਵਿਰਾਸਤ ਅਤੇ ਆਟੋਨੌਮਸ ਸੰਸਥਾ, ਇੰਡੀਆ ਟੁਡੇ ਮੈਗਜ਼ੀਨ ਦੇ ਬੈਸਟ ਕਾਲਜਿਜ ਸਰਵੇਖਣ 2020 ਅਤੇ ਆਊਟਲੁੱਕ ਮੈਗਜ਼ੀਨ ਦੇ ਸਰਵੇਖਣ ਵਿੱਚੋਂ ਟਾਪ ਨੈਸ਼ਨਲ ਅਤੇ ਸਟੇਟ ਰੈਂਕਿੰਗ ਪ੍ਰਾਪਤ, ਮਹਿਲਾ ਸਸ਼ਕਤੀਕਰਨ ਦੀ ਸੀਟ, ਕੰਨਿਆ ਮਹਾਂਵਿਦਿਆਲਾ ਜਲੰਧਰ ਦੇ ਪੋਸਟ ਗ੍ਰੈਜੂਏਟ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਆਫ ਫਿਜ਼ਿਕਸ ਦੁਆਰਾ ਐਲਬਰਟ ਆਈਨਸਟਾਈਨ ਦੀ 142ਵੀਂ ਜੈਅੰਤੀ ਮੌਕੇ ਰਾਸ਼ਟਰ ਪੱਧਰੀ ਆਨਲਾਈਨ ਕੁਇਜ਼ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕਰਵਾਇਆ ਗਿਆ। ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਆਯੋਜਿਤ ਇਸ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕੁਇਜ਼ ਵਿੱਚ ਦੇਸ਼ ਭਰ ਤੋਂ 650 ਤੋਂ ਵੀ ਵੱਧ ਪ੍ਰਤੀਭਾਗੀਆਂ ਨੇ ਪੂਰੇ ਜੋਸ਼ ਅਤੇ ਉਤਸ਼ਾਹ ਨਾਲ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ। ਆਨਲਾਈਨ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤੇ ਗਏ ਇਸ ਕੁਇਜ਼ ਦਾ ਮਕਸਦ ਐਲਬਰਟ ਆਈਨਸਟਾਈਨ ਨੂੰ ਯਾਦ ਕਰਦਿਆਂ ਹੋਇਆਂ ਆਧੁਨਿਕ ਵਿਗਿਆਨ ਵਿੱਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੁਆਰਾ ਪਾਏ ਗਏ ਯੋਗਦਾਨ ਤੋਂ ਸਭ ਨੂੰ ਵਾਕਿਫ ਕਰਵਾਉਣਾ ਸੀ। ਇਸਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇਸ ਗਤੀਵਿਧੀ ਦੌਰਾਨ ਆਈਨਸਟਾਈਨ ਦੁਆਰਾ ਥਿਊਰੀ ਆਫ ਰੈਲੇਟਿਵਿਟੀ, ਕੁਆਂਟਮ ਥਿਊਰੀ, ਫੋਟੋਇਲੈਕਟ੍ਰਿਕ ਇਫੈਕਟ ਅਤੇ ਕੁਆਂਟਮ ਥਿਊਰੀ ਆਫ ਇਲੈਕਟ੍ਰਿਕ ਹੀਟ ਜਿਹੇ ਪਹਿਲੂਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਬਾਖੂਬੀ ਦਰਸਾਇਆ ਗਿਆ। ਵਿਦਿਆਲਾ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਪ੍ਰੋ. ਅਤਿਮਾ ਸ਼ਰਮਾ ਦਿਵੇਦੀ ਨੇ ਇਸ ਕੁਇਜ ਦੇ ਸਫਲ ਆਯੋਜਨ ਦੇ ਲਈ ਸਮੂਹ ਫਿਜਕਿਸ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਕੀਤੇ ਯਤਨਾਂ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜਿਹੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਵਿਦਿਆਰਥਣਾਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੇ ਵਿੱਚ ਸਾਇੰਸ ਵਿਸ਼ੇ ਪ੍ਰਤੀ ਰੁਚੀ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਕਾਰਗਰ ਸਾਬਿਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

ਕਮਿਸ਼ਨਰੇਟ ਪੁਲਿਸ ਵਲੋਂ ਸ਼ਹਿਰ 'ਚ ਕੋਵਿਡ-19 ਸਬੰਧੀ ਪ੍ਰੋਟੋਕਾਲ ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ ਕਰਨ 'ਤੇ 379 ਦੇ ਕੀਤੇ ਗਏ ਕੋਵਿਡ ਟੈਸਟ- ਗੁਰਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਭੁੱਲਰ

ਜਲੰਧਰ-ਬਿਊਰੋ

ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਜਨਰਲ ਆਫ ਪੁਲਿਸ ਦਿਨਕਰ ਗੁਪਤਾ ਵੱਲੋਂ ਜਾਰੀ ਨਿਰਦੇਸਾਂ ਉਪਰੰਤ ਕਮਿਸਨਰੇਟ ਪੁਲਿਸ ਜਲੰਧਰ ਨੇ ਅੱਜ ਸਹਿਰ ਦੀਆਂ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ ਕਰਨ ਵਾਲੇ 379 ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦਾ ਕੋਵਿਡ-19 ਟੈਸਟ ਕਰਵਾਇਆ। ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਪੁਲਿਸ ਕਮਿਸਨਰ ਗੁਰਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਭੁੱਲਰ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਮਾਸਕ ਪਹਿਨਣਾ, ਥੁੱਕਣਾ ਸਮੇਤ ਹੋਰ ਸੁਰੱਖਿਆ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿੱਚ ਵਿਸੇਸ ਮੋਬਾਈਲ ਚੈੱਕ ਪੋਸਟਾਂ ਸਥਾਪਤ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਲੰਘਣਾ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਮਾਸਕ ਨਾ ਪਹਿਨਣ 'ਤੇ ਜੁਰਮਾਨਾ ਕਰਨ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨੇੜਲੀ ਸਿਹਤ ਸਹੂਲਤ ਵਿਖੇ ਕੋਵਿਡ-19 ਟੈਸਟ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਕਿਹਾ ਗਿਆ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਮੁਹਿੰਮ ਦੌਰਾਨ ਕੁੱਲ 379 ਟੈਸਟ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਸ ਮੁਹਿੰਮ ਨੂੰ ਨਿਯਮਤ ਤੌਰ 'ਤੇ ਜਾਰੀ ਰੱਖਿਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਪੁਲਿਸ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੌਜੂਦਾ ਸਿਹਤ ਸੰਕਟ ਦੇ ਮੱਦੇਨਜਰ ਸਮਾਜ ਦੀ ਭਲਾਈ ਲਈ ਕੁਝ ਦਿਸਾ ਨਿਰਦੇਸ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਢੁੱਕਵੇਂ ਕੋਵਿਡ ਵਿਵਹਾਰ ਵਜੋਂ ਵੀ ਜਾਣਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਲਾਗੂ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ ਕਰਨ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਸਾਡੀ ਸਿਹਤ ਨੂੰ ਕੋਰੋਨਾ ਵਾਇਰਸ ਤੋਂ ਸੰਕਰਮਿਤ ਹੋਣ ਦਾ ਜੋਖਮ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਮੂਹ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰੋਟੋਕਾਲਜ਼ ਦੀ ਜੰਮਿੇਵਾਰੀ ਨਾਲ ਪਾਲਣ ਕਰਨ ਦੇ ਆਪਣੇ ਫਰਜ ਨੂੰ ਨਿਭਾਉਣ ਦੀ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ । ਸ਼੍ਰੀ ਭੁੱਲਰ ਨੇ ਉਲੰਘਣਾ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਖਾਸਕਰਕੇ ਉਹ ਜਿਹੜੇ ਸਮਾਜ ਦੀ ਪ੍ਰਵਾਹ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ, ਨਾਲ ਸਖਤੀ ਨਾਲ ਪੇਸ ਆਉਣ ਦੇ ਆਪਣੇ ਸੰਕਲਪ ਨੂੰ ਦੁਹਰਾਇਆ। ਪੁਲਿਸ ਕਮਿਸਨਰ ਨੇ ਅੱਗੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਹਿਰ ਵਿੱਚ ਰਾਤ ਦੇ ਕਰਫਿਊ ਨੂੰ ਸਖਤੀ ਨਾਲ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਸੀ ਅਤੇ ਗਸਤੀ ਪਾਰਟੀਆਂ ਵੱਲੋਂ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਗਸ਼ਤ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਸਨੀਵਾਰ ਨੂੰ ਸਹਿਰ ਵਿਚ 126 ਵਿਸੇਸ ਨਾਕੇ ਸਥਾਪਤ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ ਅਤੇ 379 ਉਲੰਘਣਾ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜੁਰਮਾਨੇ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਕੋਵਿਡ -19 ਟੈਸਟ ਕਰਵਾਉਣ ਪਏ, ਸਮੇਤ ਲਗਭਗ 182 ਟ੍ਰੈਫਿਕ ਚਲਾਨ ਵੀ ਕੀਤੇ ਗਏ।

781 ਸੀਨੀਅਰ ਸਿਟੀਜਨ ਸਮੇਤ 2163 ਨੇ ਲਗਵਾਈ ਕੋਵਿਡ ਵੈਕਸੀਨ

ਪਟਿਆਲਾ-ਬਿਊਰੋ

ਕੋਵਿਡ ਟੀਕਾਕਰਨ ਮੁਹਿੰਮ ਤਹਿਤ ਜਿਲੇ ਵਿੱਚ 2163 ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੇ ਕੋਵਿਡ ਵੈਕਸੀਨ ਦਾ ਲਗਵਾਈ ।ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦੇ ਸਿਵਲ ਸਰਜਨ ਡਾ. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਜਿਲਾ ਟੀਕਾਕਰਨ ਅਫਸਰ ਡਾ. ਵੀਨੂੰ ਗੋਇਲ ਨੇ ਦੱਸਿਆਂ ਕਿ ਅੱਜ ਜਿਲੇ ਵਿੱਚ ਸਰਕਾਰੀ ਸਿਹਤ ਸੰਸ਼ਥਾਵਾਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਹਸਪਤਾਲਾ ਵਿੱਚੋਂ 2163 ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੇ ਕੋਵਿਡ ਵੈਕਸੀਨ ਦੇ ਟੀਕੇ ਲਗਵਾਏ ਗਏ ।ਜਿਹਨਾਂ ਵਿੱਚ ਸਿਹਤ ਅਤੇ ਫਰੰਟ ਲਾਈਨ ਵਰਕਰਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ 781 ਸੀਨੀਅਰ ਸਿਟੀਜਨ ਵੀ ਸ਼ਾਮਲ ਸਨ। ਡਾ. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੇਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹਸਪਤਾਲਾ ਵਿੱਚ 45 ਸਾਲ ਤੋਂ ਵੱਧ ਉਮਰ ਦੇ ਹੋਰ ਬਿਮਾਰੀਆਂ ਨਾਲ ਪੀੜਤ ਹਸਪਤਾਲਾ ਵਿੱਚ ਕੋਵਿਡ ਟੀਕਾ ਲਗਵਾਉਣ ਲਈ ਆ ਰਹੇ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਲਈ ਸਪਸ਼ਟ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇਲਾਜ ਸਬੰਧੀ ਪੁਰਾਣੀ ਪਰਚੀ ਦਿਖਾ ਕੇ ਕੋਵਿਡ ਵੈਕਸੀਨ ਲਗਵਾ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਕਿਸੇ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੇ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਜਾਂ ਨਵੀਂ ਪਰਚੀ ਬਣਵਾਉਣ ਦੀ ਜਰੂਰਤ ਨਹੀ ਹੈ ।ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਹਸਪਤਾਲ ਵੀ ਇਸ ਲਈ ਵਾਧੂ ਚਾਰਜ ਨਹੀ ਕਰ ਸਕਦੇ । ਡਾ. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੇਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜਿਲੇ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਾਪਤ 2750 ਦੇ ਕਰੀਬ ਰਿਪੋਰਟਾਂ ਵਿਚੋਂ 251 ਕੋਵਿਡ ਪੋਜੀਟਿਵ ਪਾਏ ਗਏ ਹਨ ।ਜਿਸ ਨਾਲ ਜਿਲੇ ਵਿਚ ਪੋਜਟਿਵ ਕੇਸਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ 19,785 ਹੋ ਗਈ ਹੈ, ਮਿਸ਼ਨ ਫਤਿਹ ਤਹਿਤ ਜਿਲੇ ਦੇ 121 ਹੋਰ ਮਰੀਜ ਕੋਵਿਡ ਤੋਂ ਠੀਕ ਹੋ ਗਏ ਹਨ। ਜਿਸ ਨਾਲ ਜਿਲੇ ਵਿਚ ਕੋਵਿਡ ਤੋਂ ਠੀਕ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਮਰੀਜਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਹੁਣ 17429 ਹੋ ਗਈ ਹੈ ।ਜਿਲ੍ਹੇ ਵਿੱਚ ਤਿੰਨ ਹੋਰ ਕੋਵਿਡ ਪੋਜਟਿਵ ਮਰੀਜਾਂ ਦੀ ਮੌਤ ਹੋਣ ਨਾਲ ਜਿਲੇ ਵਿੱਚ ਕੁੱਲ ਕੋਵਿਡ ਪੋਜਟਿਵ ਮਰੀਜਾ ਦੀ ਮੌਤਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ 549 ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚੋਂ ਪੰਜ ਨਾਨ ਕੋਵਿਡ ਮੋਤਾਂ ਹਨ। ਇਸ ਸਮੇਂ ਐਕਟਿਵ ਕੇਸਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ 1807 ਹੈ। ਪੋਜਟਿਵ ਆਏ ਕੇਸਾਂ ਬਾਰੇ ਉਹਨਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਇਹਨਾਂ 251 ਕੇਸਾਂ ਵਿਚੋਂ ਪਟਿਆਲਾ ਸ਼ਹਿਰ ਤੋਂ 146, ਸਮਾਣਾ ਤੋਂ 03,ਰਾਜਪੁਰਾ ਤੋਂ 24, ਨਾਭਾ ਤੋਂ 10, ਬਲਾਕ ਭਾਦਸੋਂ ਤੋਂ 04, ਬਲਾਕ ਕੌਲੀ ਤੋਂ 28, ਬਲਾਕ ਕਾਲੋਮਾਜਰਾ ਤੋਂ 08, ਬਲਾਕ ਹਰਪਾਲਪੁਰ ਤੋਂ 08, ਬਲਾਕ ਸ਼ੁਤਰਾਣਾਂ ਤੋਂ 02 ਅਤੇ ਬਲਾਕ ਦੁਧਣ ਸਾਂਧਾਂ ਤੋਂ 14 ਕੇਸ ਰਿਪੋਰਟ ਹੋਏ ਹਨ, ਇਹਨਾਂ ਕੇਸਾਂ ਵਿੱਚੋਂ 52 ਪੋਜਟਿਵ ਕੇਸਾਂ ਦੇ ਸੰਪਰਕ ਵਿੱਚ ਆਉਣ ਅਤੇ 199 ਓ.ਪੀ.ਡੀ. ਵਿੱਚ ਆਏ ਨਵੇਂ ਫੱਲੂ ਅਤੇ ਬਗੈਰ ਫੱਲੂ ਲੱਛਣਾਂ ਵਾਲੇ ਆਏ ਮਰੀਜਾਂ ਦੇ ਲਏ ਸੈਂਪਲਾਂ ਵਿਚੋਂ ਆਏ ਪੋਜਟਿਵ ਮਰੀਜ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ। ਪੋਜਟਿਵ ਆਏ ਇਹਨਾਂ ਕੇਸਾਂ ਨੂੰ ਗਾਈਡਲਾਈਨ ਅਨੁਸਾਰ ਹੋਮ ਆਈਸੋਲੇਸ਼ਨ/ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਦੀ ਆਈਸੋਲੇਸ਼ਨ ਫੈਸੀਲਿਟੀ ਵਿਚ ਸ਼ਿਫਟ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਸਿਵਲ ਸਰਜਨ ਡਾ. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੇਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹਸਪਤਾਲਾ ਵਿੱਚ ਵੱਧਦੇ ਕੋਵਿਡ ਮਰੀਜਾਂ ਦੇ ਦਾਖਲੇ ਨੂੰ ਦੇਖਦੇ ਹੋਏ ਉੱਚ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾ ਨਿਰਦੇਸ਼ਾ ਅਨੁਸਾਰ ਸਰਕਾਰੀ ਹਸਪਤਾਲਾ ਵਿੱਚ ਐਮਰਜੈਂਸੀ ਸਰਜਰੀ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਕੋਈ ਹੋਰ ਸਰਜਰੀ ਕਰਨ ਅਤੇ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਹਸਪਤਾਲਾ ਜਿਥੇ ਆਈਸੋਲੇਸ਼ਨ ਸੈਂਟਰ ਬਣਾਏ ਗਏ ਹਨ, ਉਥੇ ਵੀ ਐਮਰਜੈਂਸੀ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਹੋਰ ਸਰਜਰੀ ਕਰਨ ਤੋਂ 31 ਮਾਰਚ ਤੱਕ ਰੋਕ ਲਗਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਨੋਡਲ ਅਫਸਰ ਡਾ. ਸੁਮੀਤ ਸਿੰਘ ਨੇਂ ਦੱਸਿਆਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਯੁਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿੱਚ ਕੰਟੈਕਟ ਟਰੇਸਿੰਗ ਦੋਰਾਣ ਲਏ ਸੈਂਪਲਿੰਗ ਵਿੱਚ 13 ਹੋਰ ਕੋਵਿਡ ਪੋਜਟਿਵ ਪਾਏ ਗਏ ਹਨ ।ਜਿਸ ਨਾਲ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿੱਚੋ ਹੁਣ ਤੱਕ ਕੁੱਲ ਪੋਜਟਿਵ ਆਏ ਕੇਸਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ 54 ਹੋ ਗਈ ਹੈ ।ਉਹਨਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜਿਆਦਾ ਪੋਜਟਿਵ ਕੇਸ ਆਉਣ ਤੇਂ ਮਾਡਲ ਟਾਉਨ ਦੇ ਬਲਾਕ ਸੀ , ਸਾਹਮਣੇ ਕਮਿਉਨਿਟੀ ਸਿਹਤ ਕੇਂਦਰ ਦੇ ਗੱਲੀ ਵਿੱਚ ਵੀ ਮਾਈਕਰੋਕੰਟੈਨਮੈਂਟ ਲਗਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਦੀਆਂ ਟੀਮਾਂ ਵੱਲੋ ਜਿਲੇ ਵਿੱਚ ਅੱਜ 2330 ਦੇ ਕਰੀਬ ਕੋਵਿਡ ਜਾਂਚ ਲਈ ਸੈਂਪਲ ਲਏ ਗਏ ਹਨ। ਜਿਲ੍ਹੇ ਵਿਚ ਹੁਣ ਤੱਕ ਦੇ ਕੋਵਿਡ ਅਪਡੇਟ ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦੇ ਡਾ. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਦੱਸਿਆਂ ਕਿ ਹੁਣ ਤੱਕ ਜਿਲੇ ਵਿਚ ਕੋਵਿਡ ਜਾਂਚ ਸਬੰਧੀ 4,03,451 ਸੈਂਪਲ ਲਏ ਜਾ ਚੁੱਕੇ ਹਨ, ਜਿਹਨਾਂ ਵਿਚੋ ਜਿਲਾ ਪਟਿਆਲਾ ਦੇ 19,785 ਕੋਵਿਡ ਪੋਜਟਿਵ, 3,80,304 ਨੈਗੇਟਿਵ ਅਤੇ ਲਗਭਗ 2962 ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਆਉਣੀ ਅਜੇ ਬਾਕੀ ਹੈ।

जय श्री राधे
महर्षि पाराशर पंचांग

दिनाँक 21/03/2021, रविवार
सप्तमी, शुक्ल पक्ष

मेष
पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं। विद्वानों के साथ रहने का अवसर मिलेगा। व्यापार में भागीदार सहयोग करेंगे। शत्रु परास्त होंगे।

वृष
सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। व्यापार अच्छा रहेगा। चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें।

मिथुन
लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विलंब से चिंता हो सकती है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। कार्य के विस्तार की योजना बनेगी। संत-समागम होगा।

कर्क
शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में सावधानी रखें। सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अधूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है। सिंह
नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। स्थायी संपत्ति के मामले उलझेंगे। कार्य में मित्रों की मदद मिलेगी। आर्थिक मनोबल बढ़ेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या
मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अपने काम से काम रखें। दूसरों के विश्वास में न आएं। परिवार में तनावपूर्ण माहौल रह सकता है।

तुला
कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। परिवार एवं समाज में आपके कामों को महत्व एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा। वाणी पर संयम आवश्यक है। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक
धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख, संतोष बढ़ेगा। उपहार मिलने के योग हैं। अधिक व्यय न करें। खर्चों में कमी करें। चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु
जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। कार्य में भागीदार सहयोग करेंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी। दांपत्य जीवन में गलतफहमी आ सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी।

मकर
बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। लाभदायक सौदे होंगे। विपरीत परिस्थितियों का सफलता से सामना कर सकेंगे। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं। घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी।

कुंभ
परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे। रुके धन की प्राप्ति में अड़चनें आएंगी। कम प्रयास से काम बनेंगे। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

मीन
अचानक यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी। प्रसिद्धि एवं सम्मान में इजाफा होगा। नौकरी में उन्नति के योग हैं। घर-परिवार की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम न लें।

आपका दिन मंगलमय हो??
आचार्य नीरज पाराशर (वृन्दावन)*
(व्याकरण,ज्योतिष,एवं पुराणाचार्य)

ਵਿਧਾਇਕ ਘੁਬਾਇਆ ਵੱਲੋਂ ਲੱਗਭਗ ਇੱਕ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੇ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਦਾ ਕੀਤਾ ਉਦਘਾਟਨ

ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ-ਬਿਊਰੋ

ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ ਹਲਕੇ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਦੀ ਰਫਤਾਰ ਨੂੰ ਹੋਰ ਤੇਜ਼ ਕਰਨ ਲਈ ਵੱਖ ਵੱਖ ਪਿੰਡਾਂ ਜਿਵੇਂ ਮੰਡੀ ਲਾਧੂਕਾ, ਬਸਤੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, ਫਤਿਹਗੜ੍ਹ, ਗੰਦੜ ਅਤੇ ਨਵਾ ਅਹਿਲ ਬੋਦਲਾ ਆਦਿ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਜਾਂ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਨੂੰ ਚਾਲੂ ਕਰਕੇ ਨੀਂਹ ਪੱਥਰ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਵਿਧਾਇਕ ਸ. ਦਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਘੁਬਾਇਆ ਐਮ ਐਲ ਏ ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ ਨੇ ਉਦਘਾਟਨ ਕੀਤੇ।ਸ. ਘੁਬਾਇਆ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆ ਮੰਗਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ 97 ਲੱਖ ਪੰਜਾਹ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਦੇ ਕੰਮ ਚਾਲੂ ਕੀਤੇ ਗਏ ਜੋ ਕਿ ਪਿੰਡਾ ਲਈ ਕਮਿਊਨਿਟੀ ਹਾਲ, ਪਬਲਿਕ ਸ਼ੈੱਡ, ਸ਼ਮਸ਼ਾਨ ਭੂਮੀ ਦੀ ਸੜਕ ਪੱਕੀ ਕਰ ਲਈ ਅਤੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀਆ ਕੱਚੀਆਂ ਗਲੀਆਂ ਨੂੰ ਪੱਕਾ ਕਰਨ ਲਈ ਇੰਟਰ ਲੋਕ ਟਾਇਲ ਲਗਾਈ ਗਈ। ਵਿਧਾਇਕ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕੈਪਟਨ ਅਮਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਪੰਜਾਬ ਜੀ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਕੀਤੇ ਵਾਅਦੇ ਪੂਰੇ ਕੀਤੇ ਹਨ ਜਿਵੇਂ ਪਹਿਲਾ ਸਰਕਾਰ ਬਣਦਿਆਂ ਬੁਢਾਪਾ ਪੈਨਸ਼ਨ 500 ਤੋ 750 ਕੀਤੀ ਹੁਣ ਵਾਧਾ ਕਰਕੇ 1500 ਪ੍ਰਤੀ ਮਹੀਨਾ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਸ਼ਗਨ ਸਕੀਮ 51000 ਅਤੇ ਮਹਿਲਾਵਾਂ ਲਈ ਮੁਫਤ ਬੱਸ ਕਰਾਇਆ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਘੁਬਾਇਆ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਸਿੱਖਿਆ ਅਤੇ ਸਿਹਤ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇਣ ਚ ਪਹਿਲ ਦੇ ਆਧਾਰ ਲਾਗੂ ਕਰਦੀ ਹੈ ਅੱਜ ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਹਰੇਕ ਸਕੂਲ ਨੂੰ ਸਮਾਰਟ ਸਕੂਲ ਚ ਬਦਲਿਆ ਜਾ ਚੁੱਕਾ ਹੈ ਤਾਂ ਲੋਕ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਸਕੂਲਾਂ ਚੋ ਬੱਚੇ ਹਟਾ ਕੇ ਸਰਕਾਰੀ ਸਕੂਲਾਂ ਚ ਮੁਫਤ ਪੜ੍ਹਾ ਸਕਣ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਲਾਕ ਸੰਮਤੀ ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ, ਸਰਪੰਚ ਮਿਹਰ ਚੰਦ ਵਡੇਰਾ, ਗੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ ਮੈਂਬਰ ਬਲਾਕ ਸੰਮਤੀ, ਗੁਰਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਮੈਂਬਰ ਸ਼ਕਾਇਤ ਨਿਵਾਰਨ ਕਮੇਟੀ, ਸਰਪੰਚ ਬਾਊ ਰਾਮ, ਰਾਣੋ ਬਾਈ ਸਰਪੰਚ, ਮਲਕੀਤ ਸਿੰਘ ਸਰਪੰਚ, ਫੱਤਾ ਸਿੰਘ ਸਰਪੰਚ, ਰਾਹੁਲ ਕੁੱਕੜ ਜੋਨ ਇਨਚਾਰਜ, ਗੁਰਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬੀ ਡੀ ਪੀ ਓ ਭੱਜਣ ਸਿੰਘ ਜੇ ਈ, ਇੰਦਰਜੀਤ ਪੰਚਾਇਤ ਸਕੱਤਰ, ਚਰਨਜੀਤ ਸਿੰਘ ਪੰਚਾਇਤ ਸਕੱਤਰ, ਵੇਦ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਨਰੂਲਾ ਪੰਚ, ਰਿੰਕੀ ਪੰਚ, ਹਰਬੰਸ ਸਿੰਘ ਪੰਚ, ਸੁਰਿੰਦਰ ਕੁਮਾਰ ਪੰਚ, ਓਮ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪੰਚ, ਮੀਨਾ ਛਾਬੜਾ, ਭਾਗਾ ਭਰੀ, ਵੀਰੋ ਬਾਈ ਪੰਚ, ਵੀਰੋ ਬਾਈ ਪੰਚ, ਫੁਲਵੰਤੀ ਪੰਚ, ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਕੌਰ, ਰਾਜੋ ਬਾਈ ਪੰਚ, ਗੁਰਮੀਤ ਕੌਰ ਪੰਚ, ਮੱਖਣ ਸਿੰਘ ਪੰਚ, ਬਾਘਾ ਸਿੰਘ ਐਕਸ ਸਰਪੰਚ, ਮੋਹਨ ਲਾਲ, ਡਿਪੋ ਬਾਈ, ਲਕਸ਼ਮਣ ਦਾਸ ਪੰਚ, ਕਸ਼ਮੀਰ ਸਿੰਘ ਪੰਚ, ਦਲੀਪ, ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ, ਸੋਨਾ ਸਿੰਘ, ਚੰਨ ਸਿੰਘ ਲਖਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਸ਼ਮਟਾ ਸਰਪੰਚ, ਬਖਸ਼ੀਸ਼ ਸਿੰਘ ਸਰਪੰਚ, ਮਾਸਟਰ ਛਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਲਾਧੂਕਾ, ਗੁਲਾਬੀ ਸਰਪੰਚ ਲਾਧੂਕਾ, ਨੀਲਾ ਮਦਾਨ, ਰਾਜ ਸਿੰਘ ਨੱਥੂ ਚਿਸਤੀ ਅਤੇ ਹੋਰ ਪਤਵੰਤੇ ਸੱਜਣ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।

ਵਿਧਾਇਕ ਰਾਣਾ ਗੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਲਗਵਾਈ ਕੋਵਿਡ ਵੈਕਸੀਨ ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਤਨੀ ਤੇ ਸਾਬਕਾ ਵਿਧਾਇਕ ਰਾਜਸੰਭ ਕੌਰ ਰਾਣਾ ਵਲੋਂ ਵੀ ਕੋਵਿਡ ਵੈਕਸੀਨ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਡੋਜ਼ ਲਗਵਾਈ ਗਈ।

आज का करेंट अफेयर

1. किस देश के प्रधानमंत्री मार्क रूटे ने चुनाव में लगातार चौथी बार जीत दर्ज की है?
उत्तर-नीदरलैंड।
2. टीवी सीरियल रामायण में राम का किरदार निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल किस पार्टी में शामिल हो गए हैं?
उत्तर-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)।
3. किन चार टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने टोक्यो ओलम्पिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है?
उत्तर-शरत कमल, जी साथियान, मनिका बत्रा, सुतिर्था मुखर्जी।
4. भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही टी-20 सीरीज में भारत ने चौथे मैच में इंग्लैंड को कितने रन से मात देकर सीरीज 2-2 से बराबर कर ली है?
उत्तर-आठ रन।
5. किस देश के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन आज भारत दौरे पर आ रहे हैं?
उत्तर-अमेरिका।
6. जम्मू कश्मीर में किस नदी पर दुनिया का सबसे ऊँचे पुल (359 मीटर) का निर्माण किया जायेगा?
उत्तर-चिनाब।
7. कोरोना के बढ़ते संक्रमण के कारण किन राज्यों के बीच अंतरराज्यीय बस सेवा को 31 मार्च तक अस्थाई रुप से बन कर दिया गया है?
उत्तर-महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश।
8. देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के कितने नए मामले सामने आये हैं?
उत्तर-39724 (154 मौतें).
9. आज के दिन (19 मार्च) को विश्व भर में किस दिवस के रूप में मनाया जा रहा है?
उत्तर-वर्ल्ड स्लीप डे 2021.
10. किस पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी को वर्ष 2020 के एसजेए ब्रिटिश स्पोर्ट्स जर्नलिज्म अवार्ड से सम्मानित किया गया है?
उत्तर-माइकल होल्डिंग।

पंजाब रिफ्लैक्शन समाचार पत्र सभी से अनुरोध करता है की अगर किसी भी व्यक्ति नें अपनी ग़ज़ल, शायरी, चुटकले कविता, पेंटिंग, (अपनी फोटो के साथ) रुप सेल्फी, जन्मदिन, शादी सालगिरह, शोक समाचार हमारे समाचार पत्र में पब्लिश करवानी हो तो यह सब हमारे यहां रोज़ के epaper और प्रिंट पेपर में बिल्कुल निशुल्क लगाए जाते है।

इसके लिए आप हमारी mail www.punjabreflection@gmail.com या हमारे whatsapp number 8837575240 9465768579, 9417491941, पर ई-मेल या व्हाट्सअप कर सकते है।

धन्यवाद सहित
टीम पंजाब रिफ्लैक्शन समाचार पत्र एवं web portal

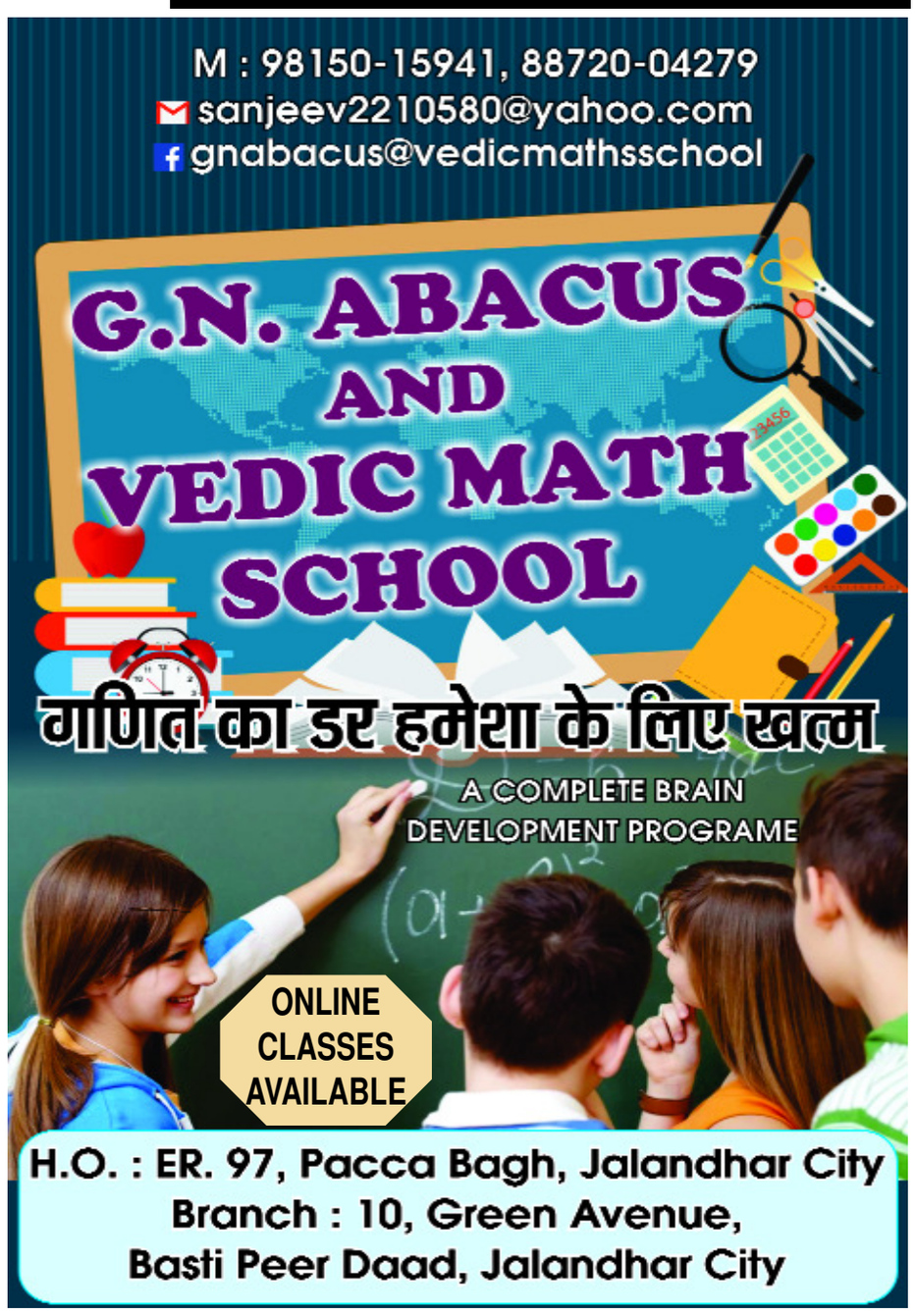

जन्मदिन मुबारक

पंजाब रिफ्लैक्शन टीम की तरफ से प्रितपाल सिंह जी को जन्म दिन की हार्दिक शुभकामनाएं

पंजाब रिफ्लैक्शन टीम की तरफ से धृति गुप्ता को जन्म दिन की हार्दिक शुभकामनाएं

ਲੁਧਿਆਣਾ ਦਿਹਾਤੀ ਪੁਲਿਸ ਵਲੋ ਨਸਿਆ ਖਿਲਾਫ ਚਲਾਈ ਮੁਹਿੰਮ ਦੌਰਾਨ ਥਾਣਾ ਜੋਧਾਂ ਦੀ ਪੁਲਿਸ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋ 01 ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਘਰ ਵਿੱਚ ਉਗਾਏ ਪੋਸਤ ਦੇ ਬੂਟਿਆਂ ਸਮੇਤ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।

ਮਾਣਯੋਗ ਕਮਿਸਨਰ ਪੁਲਿਸ ਲੁਧਿਆਣਾ ਜੀ ਨੇ ਸੜਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਤੇ' ਸਕਿੱਟ ਮੁਕਾਬਲੇ ਦੇ ਜੇਤੂਆਂ ਨੂੰ ਉਤਸਾਹਿਤ ਅਤੇ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕੀਤਾ। ਅਸੀਂ ਪੁਲਿਸ ਡੀ.ਏ.ਵੀ ਸਕੂਲ ਦੇ ਜੇਤੂਆਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿੱਚ ਨਾਟਕ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨ ਅਤੇ ਸੜਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਦਾ ਸੰਦੇਸ ਦੇਣ ਲਈ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦੇ ਹਾਂ।

ਸ਼ਹਿਰ ਦੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਦੀ ਬਦਲੀ ਜਾਵੇਗੀ ਨੁਹਾਰ: ਸੁੰਦਰ ਸ਼ਾਮ ਅਰੋੜਾ

ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ-ਬਿਊਰੋ

ਉਦਯੋਗ ਅਤੇ ਵਣਜ ਮੰਤਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸ਼ਾਮ ਅਰੋੜਾ ਨੇ ਸਥਾਨਕ ਸੈਸ਼ਨ ਚੌਕ ਤੋਂ ਫਤਿਹਗੜ੍ਹ ਚੂੰਗੀ ਤੱਕ ਸੜਕ ਦੀ ਰੀਕਾਰਪੇਟਿੰਗ ਦੇ ਕੰਮ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਕਰਵਾਉਂਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਸ਼ਹਿਰੀ ਵਾਤਾਵਰਣ ਸੁਧਾਰ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਤਹਿਤ ਸ਼ਹਿਰ ਦੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਦੀ ਨੁਹਾਰ ਬਦਲੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਕਰੀਬ 15 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਲਾਗਤ ਨਾਲ ਸੈਸ਼ਨ ਚੌਕ ਤੋਂ ਫਤਿਹਗੜ੍ਹ ਚੂੰਗੀ ਤਕ ਸੜਕ ਦੀ ਰੀਕਾਰਪੇਟਿੰਗ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਵਾਉਣ ਵੇਲੇ ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸ਼ਾਮ ਅਰੋੜਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਕੈਪਟਨ ਅਮਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਵਿੱਚ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਸੂਬੇ ਅੰਦਰ ਲਾਮਿਸਾਲ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਜ ਕਰਵਾ ਕੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਅਤੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਬੁਨਿਆਦੀ ਢਾਂਚੇ ਨੂੰ ਹੋਰ ਮਜਬੂਤ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਉਨਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਸ਼ਹਿਰ ਅੰਦਰ ਲਗਭਗ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਚੁੱਕੇ ਕੁਝ ਅਹਿਮ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਆਉਂਦੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਵਾਸੀਆਂ ਨੂੰ ਸਮਰਪਿਤ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ ਜੋ ਲੋਕਾਂ ਲਈ ਵੱਡੀ ਸਹੂਲਤ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਗੇ। ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਚਾਰ ਸਾਲ ਪੂਰੇ ਹੋਣ ਸੰਬੰਧੀ ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਸ ਅਰਸੇ ਦੌਰਾਨ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਵਿੱਚ ਸ਼ਹਿਰੀ ਵਾਤਾਵਰਣ ਸੁਧਾਰ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਤਹਿਤ 58.13 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਸ਼ਹਿਰੀ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਕਰਵਾਏ ਗਏ। ਉਨਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿੱਚ 100 ਫੀਸਦੀ ਸੀਵਰੇਜ ਅਤੇ ਵਾਟਰ ਸਪਲਾਈ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਸ਼ਹਿਰ ਦੇ ਅੰਦਰੂਨੀ ਹਿੱਸਿਆਂ ਦੇ ਵਸਨੀਕਾਂ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਲਈ ਲੋੜੀਂਦੇ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰਵਾਏ ਗਏ। ਕੋਰੋਨਾ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਲਈ ਸਿਹਤ ਸਲਾਹਕਾਰੀਆਂ ਅਪਨਾਉਣ ਦੀ ਅਪੀਲ ਇਸੇ ਦੌਰਾਨ ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸ਼ਾਮ ਅਰੋੜਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕੋਰੋਨਾ ਮਹਾਂਮਾਰੀ ਦੇ ਮੁੜ ਪੈਰ ਪਸਾਰਨ ਦੇ ਮੱਦੇਨਜ਼ਰ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਮਾਸਕ ਪਹਿਨਣ, ਇੱਕ-ਦੂਜੇ ਤੋਂ ਬਣਦੀ ਦੂਰੀ ਨੂੰ ਬਣਾ ਕੇ ਰੱਖਣ ਅਤੇ ਸਮੇਂ-ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਹੱਥ ਧੋਣ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਕਿਸਮ ਦੀ ਲਾਪਰਵਾਹੀ ਨਾ ਵਰਤੀ ਜਾਵੇ। ਉਨਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ ਦੀ ਮੁਕੰਮਲ ਪਾਲਣਾ ਨਾਲ ਹੀ ਕੋਵਿਡ ਨੂੰ ਹੋਰ ਫੈਲਣੋ ਰੋਕਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਲਈ ਸਾਰਿਆਂ ਦਾ ਸਹਿਯੋਗ ਅਤਿ ਜਰੂਰੀ ਹੈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਹੋਰਨਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਨਗਰ ਸੁਧਾਰ ਟਰਸਟ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਐਡਵੋਕੇਟ ਰਕੇਸ਼ ਮਰਵਾਹਾ, ਕੌਂਸਲਰਾਂ ਵਿੱਚ ਰਣਜੀਤ ਚੌਧਰੀ, ਨਵਜੋਤ ਕਟੋਚ, ਜਸਵਿੰਦਰ ਪਾਲ, ਵਿਕਾਸ ਗਿੱਲ, ਅਮਰੀਕ ਚੌਹਾਨ, ਜਤਿੰਦਰ ਕੌਰ ਪਿੰਕੀ, ਐਡਵੋਕੇਟ ਪਵਿੱਤਰਦੀਪ ਸਿੰਘ, ਐਡਵੋਕੇਟ ਮੋਹਿਤ ਸੈਨੀ, ਸਾਬਕਾ ਕੌਂਸਲਰ ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਮੁਕੇਸ਼ ਡਾਬਰ, ਗੁਲਸ਼ਨ ਰਾਏ ਆਦਿ ਮੌਜੂਦ ਸਨ।

781 ਸੀਨੀਅਰ ਸਿਟੀਜਨ ਸਮੇਤ 2163 ਨੇ ਲਗਵਾਈ ਕੋਵਿਡ ਵੈਕਸੀਨ

ਪਟਿਆਲਾ-ਬਿਊਰੋ

ਕੋਵਿਡ ਟੀਕਾਕਰਨ ਮੁਹਿੰਮ ਤਹਿਤ ਜਿਲੇ ਵਿੱਚ 2163 ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੇ ਕੋਵਿਡ ਵੈਕਸੀਨ ਦਾ ਲਗਵਾਈ ।ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦੇ ਸਿਵਲ ਸਰਜਨ ਡਾ. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਜਿਲਾ ਟੀਕਾਕਰਨ ਅਫਸਰ ਡਾ. ਵੀਨੂੰ ਗੋਇਲ ਨੇ ਦੱਸਿਆਂ ਕਿ ਅੱਜ ਜਿਲੇ ਵਿੱਚ ਸਰਕਾਰੀ ਸਿਹਤ ਸੰਸ਼ਥਾਵਾਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਹਸਪਤਾਲਾ ਵਿੱਚੋਂ 2163 ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੇ ਕੋਵਿਡ ਵੈਕਸੀਨ ਦੇ ਟੀਕੇ ਲਗਵਾਏ ਗਏ।ਜਿਹਨਾਂ ਵਿੱਚ ਸਿਹਤ ਅਤੇ ਫਰੰਟ ਲਾਈਨ ਵਰਕਰਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ 781 ਸੀਨੀਅਰ ਸਿਟੀਜਨ ਵੀ ਸ਼ਾਮਲ ਸਨ। ਡਾ. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੇਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹਸਪਤਾਲਾ ਵਿੱਚ 45 ਸਾਲ ਤੋਂ ਵੱਧ ਉਮਰ ਦੇ ਹੋਰ ਬਿਮਾਰੀਆਂ ਨਾਲ ਪੀੜਤ ਹਸਪਤਾਲਾ ਵਿੱਚ ਕੋਵਿਡ ਟੀਕਾ ਲਗਵਾਉਣ ਲਈ ਆ ਰਹੇ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਲਈ ਸਪਸ਼ਟ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇਲਾਜ ਸਬੰਧੀ ਪੁਰਾਣੀ ਪਰਚੀ ਦਿਖਾ ਕੇ ਕੋਵਿਡ ਵੈਕਸੀਨ ਲਗਵਾ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਕਿਸੇ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੇ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਜਾਂ ਨਵੀਂ ਪਰਚੀ ਬਣਵਾਉਣ ਦੀ ਜਰੂਰਤ ਨਹੀ ਹੈ।ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਹਸਪਤਾਲ ਵੀ ਇਸ ਲਈ ਵਾਧੂ ਚਾਰਜ ਨਹੀ ਕਰ ਸਕਦੇ । ਡਾ. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੇਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜਿਲੇ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਾਪਤ 2750 ਦੇ ਕਰੀਬ ਰਿਪੋਰਟਾਂ ਵਿਚੋਂ 251 ਕੋਵਿਡ ਪੋਜੀਟਿਵ ਪਾਏ ਗਏ ਹਨ।ਜਿਸ ਨਾਲ ਜਿਲੇ ਵਿਚ ਪੋਜਟਿਵ ਕੇਸਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ 19,785 ਹੋ ਗਈ ਹੈ, ਮਿਸ਼ਨ ਫਤਿਹ ਤਹਿਤ ਜਿਲੇ ਦੇ 121 ਹੋਰ ਮਰੀਜ ਕੋਵਿਡ ਤੋਂ ਠੀਕ ਹੋ ਗਏ ਹਨ। ਜਿਸ ਨਾਲ ਜਿਲੇ ਵਿਚ ਕੋਵਿਡ ਤੋਂ ਠੀਕ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਮਰੀਜਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਹੁਣ 17429 ਹੋ ਗਈ ਹੈ।ਜਿਲ੍ਹੇ ਵਿੱਚ ਤਿੰਨ ਹੋਰ ਕੋਵਿਡ ਪੋਜਟਿਵ ਮਰੀਜਾਂ ਦੀ ਮੌਤ ਹੋਣ ਨਾਲ ਜਿਲੇ ਵਿੱਚ ਕੁੱਲ ਕੋਵਿਡ ਪੋਜਟਿਵ ਮਰੀਜਾ ਦੀ ਮੌਤਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ 549 ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚੋਂ ਪੰਜ ਨਾਨ ਕੋਵਿਡ ਮੋਤਾਂ ਹਨ। ਇਸ ਸਮੇਂ ਐਕਟਿਵ ਕੇਸਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ 1807 ਹੈ। ਪੋਜਟਿਵ ਆਏ ਕੇਸਾਂ ਬਾਰੇ ਉਹਨਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਇਹਨਾਂ 251 ਕੇਸਾਂ ਵਿਚੋਂ ਪਟਿਆਲਾ ਸ਼ਹਿਰ ਤੋਂ 146, ਸਮਾਣਾ ਤੋਂ 03,ਰਾਜਪੁਰਾ ਤੋਂ 24, ਨਾਭਾ ਤੋਂ 10, ਬਲਾਕ ਭਾਦਸੋਂ ਤੋਂ 04, ਬਲਾਕ ਕੌਲੀ ਤੋਂ 28, ਬਲਾਕ ਕਾਲੋਮਾਜਰਾ ਤੋਂ 08, ਬਲਾਕ ਹਰਪਾਲਪੁਰ ਤੋਂ 08, ਬਲਾਕ ਸ਼ੁਤਰਾਣਾਂ ਤੋਂ 02 ਅਤੇ ਬਲਾਕ ਦੁਧਣ ਸਾਂਧਾਂ ਤੋਂ 14 ਕੇਸ ਰਿਪੋਰਟ ਹੋਏ ਹਨ, ਇਹਨਾਂ ਕੇਸਾਂ ਵਿੱਚੋਂ 52 ਪੋਜਟਿਵ ਕੇਸਾਂ ਦੇ ਸੰਪਰਕ ਵਿੱਚ ਆਉਣ ਅਤੇ 199 ਓ.ਪੀ.ਡੀ. ਵਿੱਚ ਆਏ ਨਵੇਂ ਫੱਲੂ ਅਤੇ ਬਗੈਰ ਫੱਲੂ ਲੱਛਣਾਂ ਵਾਲੇ ਆਏ ਮਰੀਜਾਂ ਦੇ ਲਏ ਸੈਂਪਲਾਂ ਵਿਚੋਂ ਆਏ ਪੋਜਟਿਵ ਮਰੀਜ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ।

ਪੰਜਾਬ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਮਾਸਕ ਨਾ ਪਾਉਣ ਵਾਲੇ 4400 ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦਾ ਕਰਵਾਇਆ ਕੋਵਿਡ ਟੈਸਟ, 1800 ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਕੀਤਾ ਜੁਰਮਾਨਾ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ-ਬਿਊਰੋ

ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਕੋਵਿਡ -19 ਦੇ ਮੁੜ ਉਭਾਰ ਦੇ ਮੱਦੇਨਜ਼ਰ ਸ਼ਨਿਚਰਵਾਰ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਪੁਲਿਸ ਦੀਆਂ ਸਾਂਝੀਆਂ ਟੀਮਾਂ ਨੇ 4400 ਤੋਂ ਵੱਧ ਫੇਸ ਮਾਸਕ ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਆਰ.ਟੀ-ਪੀ.ਸੀ.ਆਰ ਟੈਸਟ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਭੇਜਿਆ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮਾਸਕ ਨਾ ਪਹਿਨਣ ਵਾਲੇ 1800 ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਚਲਾਨ ਵੀ ਕੀਤੇ ਗਏ । ਪੁਲਿਸ ਨੇ 12000 ਤੋਂ ਵੱਧ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਮੁਫਤ ਫੇਸ ਮਾਸਕ ਵੰਡੇ। ਇਹ ਕਦਮ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਪੰਜਾਬ ਕੈਪਟਨ ਅਮਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਵਲੋਂ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਫੇਸ ਮਾਸਕ ਲਗਾਉਣ ਸਬੰਧੀ ਦਿੱਤੇ ਆਦੇਸ਼ ਤੋਂ ਇਕ ਦਿਨ ਬਾਅਦ ਚੁੱਕਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਜ਼ਿਕਰਯੋਗ ਹੈ ਕਿ ਲੰਘੇ ਕੱਲ, ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਪੁਲਿਸ ਅਤੇ ਸਿਹਤ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਨਿਰਦੇਸ ਦਿੱਤੇ ਸਨ ਕਿ ਉਹ ਜਨਤਕ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿਚ ਅਤੇ ਸੜਕਾਂ ਅਤੇ ਗਲੀਆਂ ਉੱਤੇ ਬਿਨਾਂ ਫੇਸ ਮਾਸਕ ਤੋਂ ਇੱਧਰ-ਉੱਧਰ ਘੁੰਮਣ ਵਾਲੇ ਸਾਰੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਨੇੜੇ ਦੇ ਆਰ.ਟੀ-ਪੀ.ਸੀ.ਆਰ ਜਾਂਚ ਕੇਂਦਰ ਵਿੱਚ ਲਿਜਾਣ ਤਾਂ ਜੋ ਕੋਵਿਡ ਸਬੰਧੀ ਜਾਂਚ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇ। ਪੰਜਾਬ ਪੁਲਿਸ ਦੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਜਨਰਲ ਦਿਨਕਰ ਗੁਪਤਾ ਨੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਰਾਜ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੀ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਹੋਰ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਲਈ ਫੇਸ ਮਾਸਕ ਪਾਉਣ, ਸਮਾਜਿਕ ਇਕੱਠਾਂ ਸਮਾਜਕ ਦੂਰੀ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨ ਅਤੇ ਭੀੜ ਵਾਲੀਆਂ ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਜਾਣ ਤੋਂ ਬਚਣ ਉਨਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਕੋਵਿਡ.-19 ਦੇ ਮੁੜ ਉਭਾਰ ਕਾਰਨ ਵੱਧ ਰਹੇ ਮਾਮਲਿਆਂ ਦੌਰਾਨ ਸੁਰੱਖਿਆ ਪ੍ਰੋਟੋਕੋਲ ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸੁਚੇਤ ਦੇਣ ਲਈ ਮੁਹਿੰਮ ਸੁਰੂ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਉਨਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਕਈ ਜਿਲਿਆਂ ਵਿੱਚ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਮੋਬਾਈਲ ਹੈਲਥ ਟੀਮਾਂ ਦਾ ਸਹਿਯੋਗ ਲਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਅਜਿਹੀਆਂ 31 ਟੀਮਾਂ ਮੌਕੇ 'ਤੇ ਆਰਟੀ-ਪੀਸੀਆਰ ਟੈਸਟ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਪੁਲਿਸ ਟੀਮਾਂ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਉਹਨਾਂ ਕਿਹਾ "ਜਲੰਧਰ ਦਿਹਾਤੀ ਅਤੇ ਐਸ.ਬੀ.ਐਸ. ਨਗਰ ਵਿੱਚ ਉਲੰਘਣਾ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦੇ ਇੱਕ ਦਿਨ ਵਿੱਚ ਹੀ ਕ੍ਰਮਵਾਰ 800 ਅਤੇ 154 ਆਰਟੀ-ਪੀਸੀਆਰ ਟੈਸਟ ਕਰਵਾ ਕੇ ਮੋਹਰੀ ਰਹੇ ਹਨ।" ਡੀਜੀਪੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਪੁਲਿਸ ਵਲੋਂ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਕੋਵਿਡ ਟੈਸਟ ਕਰਵਾਉਣ ਅਤੇ ਚਲਾਨ ਕੱਟਣ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਉਲੰਘਣਾ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਖਿਲਾਫ 7 ਐਫ.ਆਈ.ਆਰਜ ਵੀ ਦਰਜ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸੁਰੱਖਿਆ ਪ੍ਰੋਟੋਕੋਲ ਦੀ ਸਖਤੀ ਨਾਲ ਪਾਲਣ ਕਰਨ ਅਤੇ ਕੇਵਲ ਮਾਸਕ ਪਹਿਨ ਕੇ ਹੀ ਆਪਣੇ ਘਰੋਂ ਨਿੱਕਲਣ ਦੀ ਅਪੀਲ ਕਰਦਿਆਂ ਡੀਜੀਪੀ ਦਿਨਕਰ ਗੁਪਤਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕੋਵਿਡ ਟੈਸਟਿੰਗ ਅਤੇ ਚਲਾਨ ਮੁਹਿੰਮ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਵਾਇਰਸ ਤੋਂ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਰੱਖਣ ਲਈ ਅੱਗੇ ਵੀ ਜਾਰੀ ਰੱਖੀ ਜਾਵੇਗੀ।

ਕਾਮਯਾਬ ਕਿਸਾਨ, ਖੁਸ਼ਹਾਲ ਪੰਜਾਬ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਤਹਿਤ ਕੈਬਨਿਟ ਮੰਤਰੀ ਅਰੋੜਾ ਨੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸੌਂਪੇ ਮੋਬਾਇਲ ਵੈਂਡਿੰਗ ਈ-ਕਾਰਟ

ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ-ਬਿਊਰੋ

ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਨਵੇਂ ਯਤਨ ਕਾਮਯਾਬ ਕਿਸਾਨ-ਖੁਸ਼ਹਾਲ ਪੰਜਾਬ ਤਹਿਤ ਅੱਜ ਉਦਯੋਗ ਤੇ ਵਣਜ ਮੰਤਰੀ ਪੰਜਾਬ ਸੁੰਦਰ ਸ਼ਾਮ ਅਰੋੜਾ ਨੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਪੰਜ ਲਾਭਪਾਤਰੀ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਰੀਬ 9 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਪੰਜ ਮੋਬਾਇਲ ਵੈਂਡਿੰਗ ਈ- ਕਾਰਟ ਸੌਂਪੇ। ਬਾਗਬਾਨੀ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਦਫ਼ਤਰ ਛਾਉਣੀ ਕਲਾਂ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਵਿੱਚ ਅੱਜ ਆਯੋਜਿਤ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੌਰਾਨ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਸੁੰਦਰ ਸ਼ਾਮ ਅਰੋੜਾ ਨੇ ਬਾਗਬਾਨੀ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਇਸ ਬੇਹਤਰੀਨ ਯਤਨ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਵੈ ਮੰਡੀਕਰਣ ਕਰਨਾ ਸਮੇਂ ਦੀ ਮੁੱਖ ਮੰਗ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨ ਆਪਣੀ ਉਪਜ ਦਾ ਸਵੈ ਮੰਡੀਕਰਣ ਕਰਕੇ ਚੰਗਾ ਮੁਨਾਫਾ ਕਮਾ ਸਕਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਖਪਤਕਾਰ ਨੂੰ ਵੀ ਤਾਜ਼ੀ ਸਬਜ਼ੀ, ਫ਼ਲ ਆਦਿ ਜਾਇਜ਼ ਕੀਮਤ 'ਤੇ ਮਿਲ ਸਕੇਗਾ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਕਿਸਾਨ ਅਤੇ ਖਪਤਕਾਰ ਦੋਵਾਂ ਨੂੰ ਲਾਭ ਹੋਵੇਗਾ। ਕੈਬਨਿਟ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਅਰੋੜਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਪੰਜਾਬ ਕੈਪਟਨ ਅਮਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਹਮੇਸ਼ਾ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਹਿੱਤਾਂ ਨੂੰ ਪਹਿਲ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਸ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਤਹਿਤ ਅੱਜ ਮਹਿਲਾ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਮੋਬਾਇਲ ਵੈਂਡਿੰਗ ਈ- ਕਾਰਟ ਸੌਂਪੇ ਗਏ ਹਨ ਜੋ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਮਹਿਲਾ ਸਸ਼ਕਤੀਕਰਣ ਪ੍ਰਤੀ ਜਤਾਈ ਆਪਣੀ ਵਚਨਵੱਧਤਾ ਨੂੰ ਦਹੁਰਾਉਂਦਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਬਸਿਡੀ 'ਤੇ ਮਿਲਣ ਵਾਲੇ ਇਹ ਈ- ਕਾਰਟ ਜੋ ਕਿ ਬੈਟਰੀ 'ਤੇ ਚੱਲਦੇ ਹਨ ਨੂੰ ਖਰੀਦ ਕੇ ਛੋਟੇ ਕਿਸਾਨ ਆਪਣੇ ਖੇਤ ਤੋਂ ਤਾਜ਼ਾ ਸਬਜ਼ੀ ਅਤੇ ਫ਼ਲ ਸਿੱਧੇ ਤੌਰ 'ਤੇ ਆਪਣੇ ਖੇਤਾਂ ਤੋਂ ਗ੍ਰਾਹਕਾਂ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚਾ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਮੰਨਣਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਕਾਮਯਾਬ ਹੋਵੇਗਾ ਤਾਂ ਹੀ ਪੰਜਾਬ ਵੀ ਖੁੱਸ਼ਹਾਲ ਹੋਵੇਗਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਛੋਟੇ ਬਾਗਬਾਨ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੋਬਾਇਲ ਈ-ਕਾਰਟ ਲੈਣ ਲਈ ਬਾਗਬਾਨੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਬਾਗਬਾਨੀ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਡਾ. ਦਿਨੇਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਇਸ ਮੋਬਾਇਲ ਵੈਂਡਿੰਗ ਈ- ਕਾਰਟ ਦੀ ਕੁੱਲ ਕੀਮਤ 1,80,000 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਟਾਟਾ ਟਰੱਸਟ ਵਲੋਂ 85 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਅਤੇ ਐਮ.ਆਈ.ਡੀ.ਐਚ. ਵਲੋਂ 15000 ਦੀ ਰਕਮ ਸਬਸਿਡੀ ਦੇ ਤੌਰ 'ਤੇ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਿਰਫ 80,000 ਰੁਪਏ ਆਪਣੇ ਵਲੋਂ ਦੇਣੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਇਸ ਯੋਜਨਾ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਲਈ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਉਚ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਵਲੋਂ ਆਪਣੇ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਟਾਟਾ ਟਰੱਸਟ ਨਾਲ ਤਾਲਮੇਲ ਕਰਕੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਹਾਇਤਾ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਉਣ ਵਿੱਚ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਯੋਗਦਾਨ ਪਾਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਯੋਜਨਾ ਦਾ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਇਸੇ ਮਹੀਨੇ ਬਜਟ ਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਫੈਸਲਾ ਲਿਆ ਗਿਆ ਸੀ, ਪਰ ਬਾਗਬਾਨੀ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਇਸ ਯੋਜਨਾ ਨੂੰ ਕੁੱਝ ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ ਹੀ ਲਾਗੂ ਕਰਕੇ ਕਿਸਾਨ ਹਿੱਤ ਵਿੱਚ ਸ਼ਲਾਘਾਯੋਗ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ।